माघ कृष्ण पक्ष - 7 संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 186 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
09 जनवरी 2026
शुक्रवार

आज का मौसम
27.2 अधिकतम
8.0 न्यूनतम

न्यूज विंडो

मुख्यमंत्री ने यशोधर मठपाल को दिया वाकणकर सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुरातत्वविद् यशोधर मठपाल को आज यहां आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर सितार वादक सुश्री स्मिता नागदेव एवं कवि लेखक श्री राहुल शर्मा द्वारा सितार और कविता की जुगलबंदी से डॉ. वाकणकर द्वारा रचित कविता 'इतिहास के पटल पर' का राग बैरागी भैरव में गायन किया गया।

पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी सहित 3 लोगों की दुर्घटना में मौत

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर में आज सुबह एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें एक तेज रफ्तार कार की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार दो युवक और एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई। इसमें प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी की प्रेरणा भी शामिल है। रालामंडल इलाके में हुई दुर्घटना के बाद ट्रक का ड्राइवर फरार हो गया। हादसे में कार में सवार एक लड़की घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जानकारी के मुताबिक हादसा सुबह सवा पांच बजे हुआ। जब कार सवार युवक-युवतियां पार्टी करके लौट रहे थे।

राजकोट में 11 घंटे में भूकंप के 7 झटके, घरों से निकले लोग

राजकोट, एजेंसी । गुजरात के राजकोट जिले के जेतपुर, धोराजी, उपलेटा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भूकंप के झटके के एक के बाद एक करीब 7 झटके भूकंप के महसूस किए गए। जिससे भारी दहशत फैल गई है।इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च के डेटा के मुताबिक, सुबह भूकंप के कई झटके आए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरे लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

पालतू कुत्ता अगर पड़ोसी पर हमला करे तो यह क्राइम : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अनजाने में भी अगर कोई पालतू कुत्ता किसी पड़ोसी पर हमला कर दे, तो यह एक अपराध है। कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट्स सीयू सिंह, कृष्णन वेणुगोपाल, ध्रुव मेहता, गोपाल संकरनारायणन, श्याम दिखान, सिद्धचे लूथरा और करुणा नंदी सहित कई वकीलों की दलीलें सुनीं। कुत्तों की समस्या को लेकर आज भी सुनवाई चल रही है। एमिकस क्यूरी सीनियर एडवोकेट गौरव अग्रवाल ने बेंच को बताया कि चार राज्यों ने इस मामले में कोर्ट के आदेश के पालन पर हलफनामे दाखिल किए है।

हिमाचल में 30 अप्रैल से पहले कराने होंगे पंचायत चुनाव: कोर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने पंचायती राज चुनाव 30 अप्रैल से पहले सम्पन्न करवाने के आदेश जारी किए हैं। न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश न्यायमूर्ति रोमेश शर्मा की अदालत ने यह फैसला सुनाया। याचिकाकर्ता डिक्कन कुमार ठाकुर और याचिकाकर्ता के एडवोकेट नंदलाल ठाकुर ने इसे बड़ी राहत बताया। याचिकाकर्ता ने कहा कि सरकार डिजास्टर एक्ट का हवाला देकर पंचायती राज चुनाव को नहीं टाल सकती।

आज का कार्टून

अमेरिकी मंत्री का खुलासा - भारतीय प्रधानमंत्री के एक कॉल से बन सकती थी बात

ट्रंप के घमंड पर लगी चोट... मोदी ने फोन नहीं किया तो अटक गई ट्रेड डील

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने भारत से ट्रेड डील पर बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि अमेरिका-भारत के बीच डील ना हो पाने की वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की बात नहीं होना है। लुटनिक ने एक इंटरव्यू में दावा किया है कि भारत के साथ अमेरिका का व्यापार समझौता इसलिए पूरा नहीं हो सका है क्योंकि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया।

भारत-अमेरिका की ट्रेड डील पर हॉवर्ड लुटनिक का कहना है कि उन्होंने खुद यह समझौता तैयार किया था लेकिन इसके नतीजे तक पहुंचने के लिए मोदी का ट्रंप को फोन करना जरूरी था। भारतीय पक्ष इसको लेकर सहज नहीं था और मोदी ने फोन नहीं किया। इससे ये समझौता लंबे समय से अटका हुआ है। लुटनिक ने यह भी बताया है कि अमेरिका और भारत के बीच पिछले दिनों जिन शर्तों के साथ डील पर बात बनती दिख रही थी, वह अब खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उस ट्रेड डील से पीछे हट गया है, जिस पर हमारी ओर से भारत के साथ सहमति जताई गई थी। अब हम उस पर नहीं सोच रहे हैं। लुटनिक से पूछा गया था कि भारत से ट्रेड डील

कहां तक पहुंची है। इस पर लुटनिक ने कहा, 'भारत को वह डील याद है, जिस पर हम सहमत हुए थे। भारतीय अधिकारी मुझसे कहते हैं कि आपने इस डील पर सहमति जताई थी। मैंने उनसे कह दिया कि मुझे याद है कि मैंने तब सहमति दी थी लेकिन अब हम उस पर तैयार नहीं हैं।'

कोई नीतिगत मतभेद नहीं

लुटनिक ने बताया कि दोनों देशों के बीच ट्रेड डील के अटकने के पीछे कोई नीतिगत मतभेद या टैरिफ वजह नहीं है, बल्कि पीएम मोदी का एक ऐसा बड़ा कदम है, जिससे सबकुछ बदल गया। इस डील को फाइनल करने के लिए पीएम मोदी को सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को फोन करके उनसे बात करनी थी। हालांकि भारत सरकार इसके लिए सहज नहीं थी और पीएम मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया।

माना जा रहा है कि पीएम मोदी के फोन न करने से ट्रंप के घमंड को चोट पहुंची। अन्य सभी देशों के राष्ट्राध्यक्ष सामने से ट्रंप को फोन करते हैं और ट्रेड डील समेत अन्य अहम विषयों पर चर्चा करते हैं। इसके अलावा पीएम मोदी ने भारत-पाकिस्तान सीजफायर के लिए भी ट्रंप को क्रेडिट नहीं दिया। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि पीएम मोदी ऐसा करेंगे। इसी वजह से ट्रंप ने भारत पर 50 फ़ीसदी टैरिफ लगाया और समय-समय पर इस बात की भी धमकी देते रहते हैं कि अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया, तो अमेरिका टैरिफ को बढ़ा देगा।

मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन के सुझाव

अमेरिका का 'स्वदेशी' इलाज करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने ऐसे करीब 10 क्षेत्रों की पहचान की है, जिनका स्वदेशीकरण किया जाना बेहद जरूरी हैं। इसके अलावा, उन्होंने पांच मुख्य क्लस्टर भी विकसित किए जाने की बात की है। उन्होंने ये बातें तब कही हैं, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ को हथियार बनाकर धमकी देते आ रहे हैं।

पांच में से एक क्लस्टर है - सेमीकंडक्टर्स और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, जहां पर वास्तविक रणनीतिक गैप है। इस दिशा में बेहद काम किए जाने की जरूरत है। चीन की एक्सपोर्ट लाइसेंसिंग और यूरोपीय यूनियन के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म का हवाला देते हुए नागेश्वरन ने कहा कि 'स्वदेशी' को एक 'पॉलिसी इंस्ट्रूमेंट' बनना चाहिए। खासकर तब, जब व्यापार अब आपसी और न्यूट्रल नहीं रहे और सप्लाई चेन किसी देश की ताकत के हथियार बन गए हैं'। नागेश्वरन ने 'आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी-इंटेलिजेंट इंपोर्ट सब्स्टीट्यूशन और अधिक' पर आयोजित एक विशेष सत्र में 'आत्मनिर्भरता' के लिए तीन सिद्धांतों की रूपरेखा बताई। बड़े रेगुलेटरी सुधारों के माध्यम से 'स्वदेशी इकोसिस्टम' बनाना, वैश्विक दृष्टिकोण वाली नीति और विश्व बाजारों में निवेश के साथ काम करना और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना होगा।

खुद का इकोसिस्टम बनाना चाहिए: उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के बीच बढ़ते आयात को निर्यात से फाइनेंस करने की आवश्यकता होगी। चीन से दुनिया के लगभग आधे आयात सिर्फ 50 वैश्विक ब्रांडों और उनकी सप्लाई चेन से होते हैं और केंद्र और राज्यों को 'मेक इन इंडिया' लक्ष्यों के लिए इन्हें भारत में अपने इकोसिस्टम को स्थापित करने के लिए तुरंत काम करना चाहिए, जैसा कि स्मार्टफोन के मामले में किया गया है।

हायर एजुकेशन की अहम् भूमिका

भारत एक डेमोग्राफिक और इकोनॉमिक इन्फ्लेक्शन पॉइंट पर है और अगले दो दशकों में लाखों युवा वर्कफोर्स में शामिल होने के लिए तैयार हो रहे हैं, ऐसे में हायर एजुकेशन एक अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, यह डेमोग्राफिक डिविडेंड ग्रोथ को बढ़ाने वाला बनेगा या सोशल तनाव का कारण, यह काफी हद तक हमारे हायर एजुकेशन सिस्टम की क्वालिटी, प्रासंगिकता और अनुकूलन क्षमता पर निर्भर करेगा। उन्होंने राज्यों से इस बदलाव का नेतृत्व करने का आग्रह किया।

तेजस्वी, मीसा, तेज, हेमा पर भी चार्ज, 52 बरी

लैंड फॉर जॉब में लालू और राबड़ी पर आरोप तय

रेलवे में कथित जमीन के बदले नौकरी देने के घोटाले में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) की चार्जशीट पर लालू, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, तेज प्रताप, मीसा भारती, हेमा यादव समेत 40 लोगों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है। सीबीआई स्पेशल जज विशाल गोगने की अदालत ने आज यह फैसला सुनाया। अदालत ने लैंड फॉर जॉब केस के 52 आरोपियों को बरी भी कर दिया है। रेलवे में नौकरी देने के बदले जमीन लेने के आरोप में लालू परिवार समेत अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) के तहत आरोप तय किए गए हैं। अब लालू परिवार के खिलाफ मुकदमा चलेगा। दिल्ली की अदालत में सुनवाई के दौरान लालू एवं राबड़ी को छोड़ अन्य सभी आरोपी पेश हुए। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और उनके बड़े भाई एवं जेजेडी अध्यक्ष तेज प्रताप यादव भी अदालत पहुंचे। बता दें कि यह मामला लालू यादव के यूपीए कार्यकाल के दौरान रेल मंत्री रहने के दौरान का है।

पश्चिम बंगाल में ईडी की रेड के खिलाफ हल्ला बोल

शाह के घर प्रदर्शन कर रहे 8 टीएमसी सांसद हिरासत में

कोलकाता/नईदिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में टीएमसी के आईटी सेल के चीफ के ठिकानों पर ईडी रेड के विरोध में आज टीएमसी ने दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पार्टी के 8 सांसद शामिल हुए। जिसमें डेरेक ओ ब्रॉयन, महुआ मोइत्रा, कीर्ती आजाद नारेबाजी करते नजर आए।

सांसदों ने, बंगाल मोदी-शाह की गंदी चालें नहीं चलेंगी के नारे लगाए। दिल्ली पुलिस ने सांसदों को हटाने की कोशिश की। इस दौरान धक्कामुक्की हुई, कुछ सांसद गिर भी गए। पुलिस ने सांसदों को हिरासत में ले लिया। महुआ ने कहा-

देखिए चुने गए सांसदों के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है। उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के विरोध में मार्च निकालेंगी।कल टीएमसी के आईटी सेल के चीफ और पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के डायरेक्टर प्रतीक जैन ठिकानों पर रेड मारी गई थी।

महंगाई के खिलाफ 100 से ज्यादा शहरों में अराजकता

ईरान में हालात बेकाबू, अब तक 45 की मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान में महंगाई के खिलाफ 13 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बीच गुरुवार रात को हालात और खराब हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन फैल चुका है। प्रदर्शनकारियों ने सड़कें ब्लॉक कीं, आग लगाई। लोगों 'खामेनेई को मौत' और 'इस्लामिक रिपब्लिक का अंत हुआ' जैसे नारे लगाए। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारी क्राउन प्रिंस रजा पहलवी के समर्थन में रहे। उन्होंने 'यह आखिरी लड़ाई है, शाह पहलवी लौटेंगे' के नारे लगाए।

अमेरिकी ह्यूमन राइट एजेंसी के मुताबिक, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक 45 लोग मारे गए हैं, जिनमें 8 बच्चे शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जबकि 2,270 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। देशभर में इंटरनेट और फोन

तेहरान एयरपोर्ट बंद इंटरनेट-फोन सर्विस ठप

सेवाएं फिलहाल बंद कर दी गई हैं। तेहरान एयरपोर्ट को भी बंद कर दिया गया है और सेना को अलर्ट पर रखा गया है।

निर्वासित प्रिंस रजा पहलवी ने की थी लोगों से सड़कों पर उतरने की अपील

तेहरान में बाजार बंद रहे, छात्रों ने यूनिवर्सिटी कैंपस पर कब्जा किया। इसके तुरंत बाद सरकार ने पूरे देश में इंटरनेट और फोन लाइनें काट दीं। इसे इंटरनेट वॉचडॉग नेटब्लॉक्स ने हिंसक दमन की तैयारी बताया। फिर भी कुछ लोग स्टारलिंक से वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। स्टारलिंक, इलॉन मस्क की इंटरनेट सर्विस है, जो सैटेलाइट से ऑपरेट होती है। प्रदर्शन और तेज हो गए जब निर्वासित प्रिंस रजा पहलवी ने गुरुवार को लोगों से सड़कों पर उतरने की अपील की। रजा पहलवी ईरान के आखिरी शाह मोहम्मद रजा पहलवी के बेटे हैं। उनके पिता 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान सत्ता से हटाए गए थे। युवराज पहलवी अभी अमेरिका में रह रहे हैं।

मेट्रो एंकर | **वैवाहिक तनाव के बीच महिला ने टर्मिनेट करवा ली थी 14 हफ्ते की प्रेग्नेंसी**

अबॉर्शन के लिए जरूरी नहीं है पति की इजाजत: हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में साफ कर दिया है कि वैवाहिक कलह की स्थिति में किसी महिला को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना महिला की शारीरिक गरिमा का उल्लंघन है और इससे उसका मानसिक आघात और गहरा होता है। यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई के दौरान आई, जिसमें एक महिला ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को चुनौती दी थी।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अबॉर्शन के लिए पति की अनुमति अनिवार्य नहीं है। इस फैसले को महिलाओं की प्रजनन स्वतंत्रता और स्वायत्तता से जोड़कर देखा जा रहा है। न्यायालय ने महिला को आईपीसी की धारा 312 के तहत लगाए गए आरोपों से बरी कर दिया और कहा कि कानून का उद्देश्य महिला को सजा देना नहीं, बल्कि उसकी सेहत और अधिकारों की रक्षा करना है।

यह मामला उस महिला से जुड़ा है, जिसने वैवाहिक तनाव के बीच 14 सप्ताह की गर्भावस्था को मेडिकल प्रक्रिया के जरिए समाप्त कराया था। पति ने इसे अवैध बताते हुए आईपीसी की धारा 312 के तहत आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने महिला को दोषी ठहराया जिसे सेशन कोर्ट ने भी बरकरार रखा। इसके खिलाफ महिला ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि महिला की प्रजनन स्वायत्तता संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है। कोर्ट ने माना कि किसी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भ जारी रखने के लिए बाध्य करना उसकी निजता, शारीरिक अखंडता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है।

कानून के प्रावधान महिला के पक्ष में

कोर्ट ने साफ किया कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी अधिनियम के तहत गर्भवती महिला को अबॉर्शन के लिए पति की अनुमति लेने की कोई बाध्यता नहीं है। इस कानून का मूल उद्देश्य महिला के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को संभावित नुकसान से बचाना है, न कि उसे वैवाहिक स्थिति के आधार पर सीमित करना। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का उल्लेख किया, जिनमें यह माना गया है कि वैवाहिक कलह की स्थिति में महिला को अबॉर्शन का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि एमटीपी अधिनियम की व्याख्या महिला के पक्ष में की जानी चाहिए, न कि उसे अपराधी बनाने के लिए।

ऑनलाइन पढ़ाई के साथ छात्रों को अकादमिक क्रेडिट मिलेंगे

'स्वयं' पोर्टल से जुड़ेगा प्रदेश का हर कोर्स, 15 जनवरी तक करनी होगी मैपिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था डिजिटल हो रही है। भारत सरकार के स्वयं पोर्टल को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य में संचालित सभी व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की स्वयं पोर्टल से मैपिंग 15 जनवरी तक अनिवार्य रूप से पूरी की जाए। इसका सीधा फायदा लाखों विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्हें अब ऑनलाइन पढ़ाई के साथ अकादमिक क्रेडिट भी मिलेंगे। खास बात यह है कि गैर-तकनीकी विषयों में पंजीयन के मामले में मध्यप्रदेश देश में अव्वल बनकर उभरा है। बीते एक वर्ष में पंजीयन में 350 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि इस बात का संकेत है कि डिजिटल शिक्षा को लेकर छात्रों का भरोसा बढ़ा है और राज्य सरकार की रणनीति जमीन पर असर दिखा रही है। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने केंद्रीय अध्ययन मंडल के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ स्वयं पोर्टल की प्रोग्रेस रिपोर्ट देखी। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान में उपलब्ध सभी 35 व्यावसायिक कोर्सेस की स्वयं पोर्टल से मैपिंग तय समय-सीमा में पूरी की जाए।

इससे इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को क्रेडिट ट्रांसफर का फायदा मिलना शुरू होगा। जो उनकी डिग्री को अधिक उपयोगी बनाएगा। अनुपम राजन ने कहा कि स्वयं पोर्टल पर नए और अन्य रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों को समूह बनाकर शामिल किया जाए। इससे विद्यार्थियों का कौशल संवर्धन होगा और वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खुद को बेहतर ढंग से साबित कर सकेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल व्यवसायिक ही नहीं, बल्कि छोटे-बड़े सभी विषयों की मैपिंग स्वयं पोर्टल से सुनिश्चित की जाए।

गैर-तकनीकी विषयों में मध्यप्रदेश अव्वल

मध्यप्रदेश देश का एकमात्र राज्य बन गया है, जहां गैर-तकनीकी विषयों में तकनीकी विषयों से अधिक पंजीयन दर्ज किया गया है। आंकड़ों के अनुसार, गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों में लगभग 2 लाख यानी 57 प्रतिशत विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जबकि तकनीकी विषयों में यह संख्या करीब 1.5 लाख यानी 43 प्रतिशत है। बीते एक साल में 350 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि राज्य की योजनाबद्ध कोशिशों को दर्शाती है।

समझें 'स्वयं' पोर्टल को...

स्वयं का पूरा नाम स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स है। यह भारत सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य शिक्षा नीति के तीन मूल सिद्धांत पहुंच, समानता और गुणवत्ता को साकार करना है। इसका लक्ष्य श्रेष्ठ शिक्षण सामग्री को समाज के हर वर्ग, खासकर वंचित छात्रों तक पहुंचाना है।

कॉलेजों की व्यवस्थाओं पर भी सख्ती

बैठक में अनुपम राजन ने महाविद्यालयों में साफ-सफाई, पेयजल, नियमित कक्षाओं और प्राध्यापकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन अकादमिक माहौल को बेहतर बनाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

भोपाल बायपास के पेड़ों की सुनवाई अब दिल्ली एनजीटी में, काटने को लेकर स्टे अभी बरकरार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के अयोध्या बायपास में हजारों पेड़ों की कटाई के मामले में स्थगन (स्टे) अभी बरकरार रहेगा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने मामले की सुनवाई की। वहीं, एनएचएआई (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) को दो दिन में दस्तावेज पेश करने को कहा है। 10 लेन सड़क बनाने के लिए एनएचएआई ने हजारों पेड़ काट दिए थे। वहीं, जो पेड़ बचे हैं, उन्हें लेकर एनजीटी में सुनवाई हुई। इस पर पर्यावरणविद् की भी नजर रही। वे पेड़ों को बचाने के लिए 'चिपको आंदोलन' तक कर चुके हैं। वहीं, अब इस मामले की सुनवाई दिल्ली एनजीटी में होगी। ताकि, पूरे देश में एक समान नीति बनाई जा सके। अब सुनवाई के दौरान सभी पक्षों को दिल्ली स्थित एनजीटी में पेश होना होगा।

बता दें कि एनएचएआई भोपाल के अयोध्या बायपास को आसाराम चौराहा से रत्नागिरि तिराहे तक 836.91 करोड़ रुपए से 10 लेन में बदल रहा है। यह 16 किलोमीटर लंबा है। इस प्रोजेक्ट में कुल 7871 पेड़ काटे जाने हैं, जो 40 से 80 साल तक के हैं। दिसंबर में तीन दिन में करीब आधे पेड़ काट दिए गए थे। इसका जमकर विरोध हुआ। इसके बाद मामला एनजीटी में पहुंचा और 8 जनवरी तक पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी गई थी। इसी पर सुनवाई हुई। एनजीटी ने नितिन

सक्सेना विरुद्ध NHAI मामले की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया है कि जब तक उच्चतम न्यायालय में लंबित अपील पर स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक अधिकरण इस मामले की कार्रवाई को आगे नहीं बड़ाएगा। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हरप्रीत सिंह गुप्ता ने ट्रिब्यूनल को जानकारी दी कि प्रत्यर्थीगण ने NGT के 22 दिसंबर-25 को दिए आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है।

सेंट्रल का प्रोजेक्ट, निगम के जरिए कटे पेड़

यह सेंट्रल का प्रोजेक्ट है। पिछले साल दिसंबर में अयोध्या बायपास के चौड़ीकरण के टेंडर समेत अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद एनएचएआई ने पेड़ काटने की सभी सरकारी अनुमति भी लेना थी, क्योंकि बायपास चौड़ीकरण का काम करने वाली एजेंसी और एनएचएआई के बीच जो एग्रीमेंट हुआ है, उसके अनुसार पेड़ कटाई जैसी सरकारी अनुमतियां दिलाना एनएचएआई की जिम्मेदारी ही है। इस साल 11 अगस्त तक पेड़ कटाई की अनुमति मिलने और फिर काम शुरू होना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसी बीच पेड़ कटाई का मामला एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) में चला गया था। फिर एक अन्य मामले में एनजीटी ने आदेश दे दिया कि शहरों में कहीं भी 25 से अधिक पेड़ काटने की अनुमति हाई लेवल कमेटी देगी। इसके बाद नगरीय विकास विभाग के एसीएस संजय शुक्ला की अध्यक्षता में हाई लेवल कमेटी का गठन हो गया। कमेटी की तीसरी मीटिंग में पेड़ काटने की मंजूरी दी गई। हरियाली को उजाड़ने के लिए हरी झंडी मिलते ही 21 दिसंबर से पेड़ों की कटाई शुरू कर दी गई।

अनुमति मिली और आरी चलाना शुरू

22 दिसंबर को कटाई का दौर जारी रहा तो याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना ने फिर से एनजीटी का दरवाजा खटखटाया, लेकिन 24 दिसंबर की दोपहर तक पेड़ काटने का दौर जारी रहा। इसी बीच एनजीटी ने पेड़ों की कटाई को 8 जनवरी तक रोकने के आदेश दिए, लेकिन तब तक एनएचएआई आधे से ज्यादा पेड़ कटवा चुका था। अब बाकी पेड़ों को बचाने के लिए पर्यावरणविद् ने मुहिम छेड़ दी है।

गैस त्रासदी के बाद भोपाल आया 'ईरानी गिरोह', पुलिस के लिए बना चुनौती

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन चुके ईरानी परिवारों की आपराधिक गतिविधियों की जड़े राजधानी में हुए गैस त्रासदी के बाद के दौर से जुड़ी हैं। जब शहर से बड़ी संख्या में लोग छोड़कर अन्य जगहों पर चले गए थे। इसी खालीपन के दौरान ईरानी परिवार धीरे-धीरे भोपाल में आकर बसने लगे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि शुरुआत में ईरानी परिवारों ने भोपाल रेलवे स्टेशन के सिटी साइड इलाके में डेरा डाला। जीवन यापन के लिए वे स्टेशन के बाहर चश्मे, बेल्ट, पेन जैसे छोटे सामान बेचा करते थे। पहले महाराष्ट्र से आए ईरानी परिवार यहां बसे, बाद में दक्षिण भारत के राज्यों से भी परिवार जुड़ते चले गए।

सबसे पहले मुन्ना ईरानी था प्रमुख

इन जब गिरोह बना तो वह कुछ ही समय में वे आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने लगे और स्थानीय लोगों से उनका टकराव बढ़ने लगा। पुलिस के अनुसार ईरानी डेरे केवल भोपाल तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अन्य राज्यों में चोरी, लूट और ठगी जैसे संगठित अपराधों में शामिल गिरोहों के लिए भी सुरक्षित पनाहगाह बनते चले गए। इन डेरे में देशभर में सक्रिय ईरानी गिरोहों से जुड़े अपराधियों को शरण दी जाती रही।

करीब 13 से 20 साल पहले तक भोपाल में ईरानी गिरोह का प्रमुख चेहरा मुन्ना ईरानी माना जाता था। उस समय शहर में पदस्थ रहे कुछ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मुन्ने ईरानी आपराधिक गतिविधियों में शामिल था और अन्य अपराधियों को शरण देता था, लेकिन नशे और गांजा तस्करी से दूरी बनाए रखता था।

ऐसा बना अमन कॉलोनी में डेरा

हालात तब बदले जब उसके करीबी और गिरोह सदस्य राजू ईरानी का उभार हुआ। इसी तरह से राजू से अलग होकर काले और मुख्तार गैंग बना। सभी गुट अपनी पहुंच और संपर्कों के दम पर एक दूसरे के धीरे-धीरे नेटवर्क को कमजोर किया। इसके बाद राजू ने उससे अलग होकर करोंद के अमन कॉलोनी इलाके में अपना अलग डेरा स्थापित कर लिया।

महिला के गर्भाशय से निकला 15 सेमी का ट्यूमर, बची जान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र ने एक 54 वर्षीय महिला के लिए जीवनदाता की भूमिका निभाई, जब अन्य अस्पतालों ने उच्च जोखिम के कारण सर्जरी से इनकार कर दिया था। महिला के गर्भाशय में लगभग 15 सेंटीमीटर का ट्यूमर था, जो आसपास के अंगों को जकड़ चुका था और पेशाब व शौच में गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर रहा था। कैंसर सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सोनवीर गौतम और एनेस्थीशियोलॉजी विभाग की डॉ. संध्या इवने ने चार घंटे तक चली जटिल सर्जरी को सफलता पूर्वक अंजाम दिया। सर्जरी में पेशाब की नली, छोटी आंत और रेक्टम को सुरक्षित रखते हुए ट्यूमर को निकालने में सफलता मिली। इस जटिल सर्जरी को आयुष्मान भारत योजना के तहत निशुल्क किया गया, जो निजी अस्पतालों में लाखों रुपये में होती। यह सर्जरी तकनीकी रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि जरा सी चूक मरीज की जान ले सकती थी। हमें खुशी है कि बीएमएचआरसी ऐसे मरीजों के लिए उम्मीद का केंद्र बन रहा है, जिन्हें अन्य जगहों पर इलाज नहीं मिल पाता।

बीएचईएल ने डिजाइन किए महत्वपूर्ण उपकरण

वंदे भारत के ट्रैक्शन कन्वर्टर्स का पहला सेट रवाना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रतिष्ठित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन परियोजना के लिए अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर्स की आपूर्ति प्रारंभ कर दी गई है। यह आपूर्ति टीआरएसएल के साथ बीएचईएल के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम द्वारा की जा रही है। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने रेल परिवहन क्षेत्र में अपनी 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत एक

महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ट्रैक्शन कन्वर्टर्स को वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की अंतिम असेंबली के लिए कोलकाता भेजा जा रहा है। इसके अलावा ट्रैक्शन मोटर्स और ट्रांसफॉर्मर्स जैसे अन्य प्रमुख प्रोपल्शन उपकरण बीएचईएल की भोपाल और झांसी इकाइयों में विकसित एवं निर्मित किए गए हैं। अत्याधुनिक आईजीबीटी आधारित तकनीक से युक्त ये अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर्स ट्रेन कोच के नीचे लगाए जाते हैं, जिससे यात्रियों की सुविधा के लिए अंदर अधिक स्थान उपलब्ध होता है और कुल पेलोड क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर बीएचईएल के बेंगलुरु संयंत्र में एक फ्लैग-ऑफ समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बीएचईएल की निदेशक (औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद) बानी वर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए सेमी-हाई-स्पीड अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर्स के पहले सेट को रवाना किया। बीएचईएल के निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) एस.एम. रामनाथन तथा टीआरएसएल के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उमेश चौधरी वर्चुअल माध्यम से समारोह में शामिल हुए। यह प्रोपल्शन प्रणाली 176 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति तथा 160 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति के लिए सक्षम है और लंबी दूरी की रात्रिकालीन यात्राओं में उच्च दक्षता व विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है। देश की अग्रणी इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण कंपनी बीएचईएल स्वदेशी, विश्वस्तरीय समाधानों के माध्यम से परिवहन एवं रोलिंग स्टॉक क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को सशक्त बना रही है। यह उपलब्धि सेमी-हाई-स्पीड प्रोपल्शन क्षेत्र में बीएचईएल के रणनीतिक प्रवेश को दर्शाती है।

केरवा रोड वन भूमि में फिल्म की शूटिंग कैसे हुई, जांच होगी

आग जलाने और शोर से वन्य जीव हुए प्रभावित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में टाइगर रिजर्व एरिया में केरवा रोड स्थित वन भूमि पर देर रात फिल्म शूटिंग और आग जलाकर शोर-शराबा करने का मामला सामने आया है। इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत वन विभाग तक पहुंच गई है। इसके बाद प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े ने पूरे मामले की जांच रिपोर्ट तीन दिन में मांगी है। मुख्य वन संरक्षक भोपाल वन सर्कल को तत्काल जांच कर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। केरवा फारेस्ट रेंज में 6 जनवरी 2025 की देर रात केरवा रोड वन क्षेत्र में फिल्म शूटिंग की जा रही थी। इस दौरान वन्य जीव एरिया में आग जलाकर शोर-शराबा करने की शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत में बताया गया कि करीब 40 से 50 लोगों की भीड़ जुटी थी और वन क्षेत्र में आग लगाकर गतिविधियां की जा रही थीं जो प्रचलित वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण नियमों का उल्लंघन है। वन विभाग के अनुसार शिकायतकर्ता अजय दुबे आरटीआई एक्टिविस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जाएगी। साथ ही संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी कर निर्धारित समय-सीमा में उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट सौंपना होगा। वन बल प्रमुख वीएन अंबा? ने गुरुवार को इसकी जांच के आदेश जारी कर तीन दिन में रिपोर्ट देने को कहा है।

मेट्रो एंकर | प्रशासन अकादमी में ईरानी फिल्म बरन की स्क्रीनिंग

लतिफ की आंखों में दिखी मासूमियत ही फिल्म की धड़कन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में सिने क्लासिक द्वारा प्रस्तुत ईरानी फिल्म बरन की स्क्रीनिंग ने दर्शकों को कुछ ऐसी ही संवेदनाओं की एक शांत यात्रा पर ले गई। फिल्म की शुरुआत ही निर्माण स्थल के शोर और धूल से होती है जहां मजदूरों के बीच 17 वर्षीय लतिफ सामान्य सी जिंदगी जीते दिखाई देता है। धीरे-धीरे कहानी उस मोड़ पर आती है जहां नया मजदूर रहमत असल में बरन यानी एक लड़की निकलती है ,जो अपने परिवार को पालने के लिए लड़के का भेष धरकर काम कर रही है। इस दृश्य के बाद लतिफ की आंखों में जो मासूमियत दिखी, वहीं फिल्म की धड़कन बन गई। फिल्म में होसेन अबेदीनी ने लतिफ के किरदार को इतने सहजपन से निभाया कि दर्शक उसके हर भाव से जुड़ते जाते हैं। बरन

बनी जाहरा बहारमी एक शब्द बोले बिना अपनी आंखों और हर हरकत से पूरी दुनिया कह देती है। मजदूरों के कठोर जीवन, बारिश की बूंदों में चमकती मिट्टी और चाय के धुएं से उठती मौन करुणा को सिनेमैटोग्राफर हसन पुलदाद ने बेहद खूबसूरती से कैद किया है। माजिद मजीदी का निर्देशन एक ओर चुप्पी को आवाज देता है। तो वहीं दूसरी ओर छोटे-छोटे दृश्य, देखने वालों को झकझोरते हैं। फिल्म में कोई ऊंची आवाज या नाटकीय संवाद नहीं है। इसके बावजूद हर दृश्य मन पर उतना ही गहरा असर छोड़ता है जितनी बरसती बारिश। संगीतकार अमीन आला देह का संगीत पृष्ठभूमि में बहते हुए भावनाओं को थामे रखता है। वहीं बरन का हर फ्रेम मानो यह कहता है कि प्रेम पाने की जिद नहीं, बल्कि किसी के जीवन को आसान बनाने की चाह ही असली प्रेम है।

एम्स में चौथा अनुसंधान दिवस का आयोजन कल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स द्वारा 10 जनवरी को चौथे अनुसंधान दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शोध कार्यों को रोगी देखभाल से जोड़ना है. यह वार्षिक कार्यक्रम संस्थान में हो रहे नवीन शोध कार्यों को आम जनता तक पहुंचाने का एक प्रयास है, ताकि लोग यह समझ सकें कि चिकित्सा अनुसंधान उनके जीवन को कैसे बेहतर बनाता है. कार्यक्रम में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल मुख्य अतिथि के रूप में और डॉ. पीयूष गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

मप्र तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 11 को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष पद का त्रिवार्षिक चुनाव 11 जनवरी को देवी विजयासन धाम सलकनपुर में सुबह 10 बजे से होगा। प्रदेश मीडिया प्रभारी विवेक साहू ने बताया कि इस निष्पक्ष चुनाव के लिए डॉ। सियाराम साहू, कार्यवाहक अध्यक्ष अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा को चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस चुनाव में 1300 से अधिक मतदाता प्रदेश अध्यक्ष चुनेंगे। यह निर्वाचन मुख्य चुनाव अधिकारी रमेश के साहू एडवोकेट के नेतृत्व में होगा। चुनाव स्थल की सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व जितेन्द्र साहू को सौंपा है। 10 जनवरी को नामांकन प्रक्रिया होगी। 11 जनवरी को मां कर्मा देवी एवं विजयासन मैय्या की महाआरती उपरांत मतदान एवं उसी दिन परिणामों की घोषणा होगी।

मंत्री बताएंगे मनरेगा का नाम वीबी-जी-राम-जी करने के फायदे

जिलों में लगेंगी चौपालें, बैलगाड़ी-ट्रेक्टर रैलियां भी करेंगे बीजेपी नेता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार के मंत्री जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मनरेगा योजना के नाम और नियमों में किए गए बदलावों के फायदे बताएंगे। इसके लिए मंत्रियों की जिलेवार ड्यूटी लगा दी गई है। उल्लेखनीय है कि बीते बुधवार 7 जनवरी को सीएम डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इसकी शुरुआत कर चुके हैं।

नई योजना के फायदे बताएंगे- मनरेगा के स्थान पर लाए गए नए कानून ड्क्क्-त ऋरूल (विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन, ग्रामीण) को लेकर भाजपा प्रदेशभर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाने जा रही है। पार्टी के प्रदेश कार्यालय से जारी परिपत्रों और दिशा-निर्देशों के अनुसार भाजपा के मंत्री, सांसद, विधायक और संगठन पदाधिकारी गांव-गांव जाकर जनता को नई योजना के लाभ समझाएंगे और नाम परिवर्तन को लेकर विपक्ष के हमलों का जवाब देंगे।

बीजेपी का दावा नया विधेयक गांवों के विकास में क्रांतिकारी कदम- भाजपा का दावा है कि संसद में पारित ड्क्क्-त ऋरूल विधेयक 2025, ग्रामीण विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो न सिर्फ मनरेगा की कमियों को दूर करेगा, बल्कि रोजगार, आजीविका और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। अभियान के तहत खास तौर पर किसानों, कृषि श्रमिकों, ग्रामीण मजदूरों और पंचायत प्रतिनिधियों से संवाद किया जाएगा।

मनरेगा से आगे क्यों है है नया रोजगार कानून

पार्टी द्वारा जारी टॉकिंग पॉइंट्स के मुताबिक, भाजपा नेता जनता को बताएंगे कि नई योजना में हर ग्रामीण परिवार को साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी दी जाएगी, जो मनरेगा के 100 दिन से अधिक है। अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों को अतिरिक्त रोजगार के अवसर मिलेंगे। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक किया जा सकेगा, जबकि मनरेगा में 15 दिन तक इंतजार करना पड़ता था। GPS, मोबाइल मॉनिटरिंग और.ढ्ढ आधारित फ्रॉड डिटेक्शन से पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी।मंत्रियों के बाद बीजेपी के नेता यह भी बताएंगे कि मनरेगा पर अब तक सबसे अधिक खर्च मोदी सरकार ने किया है और ग्रामीण गरीबी 2011-12 के 25.7 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 4.86 प्रतिशत रह गई है। पार्टी का तर्क है कि बदली हुई ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 2005 का ओपन-एंडेड मॉडल अब कारगर नहीं रहा, इसलिए योजना का पुनर्गठन जरूरी था।

नाम बदलने पर विपक्ष को जवाब देंगे मंत्री

अभियान के दौरान कांग्रेस के फ्रनाम बदलनेफ्र वाले आरोपों का भी जवाब दिया जाएगा। भाजपा नेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे जनता को बताएं कि रोजगार योजनाओं के नाम बदलने की परंपरा कांग्रेस सरकारों के समय से चली आ रही है।
इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और नेहरू-गांधी परिवार के नाम पर सैकड़ों योजनाएं, संस्थान और पुरस्कार रखे गए।
मोदी सरकार में फ्रनाम नहीं, काम बोलता हैफ्र और योजनाओं को सेवा और जनकल्याण से जोड़ा गया है।

जिले-जिले में कार्यक्रम, चौपाल से रैली तक

प्रदेश परिपत्र के अनुसार जिला मुख्यालयों पर प्रेस वार्ता और प्रस्तुतिकरण होंगे। इसके अलावा जिला, मंडल और ग्राम स्तर पर किसान-मजदूर चौपाल, घर-घर संपर्क अभियान, ट्रैक्टर रैली, बैलगाड़ी रैली और पदयात्रा, पंचायत प्रतिनिधियों और सहकारी संस्थाओं के सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सभी कार्यक्रमों में मंत्री और जनप्रतिनिधि सीधे जनता को बताएंगे कि ड्क्क्-त ऋरूल किस तरह रोजगार, जल सुरक्षा, ग्रामीण सड़क, आजीविका ढांचे और जलवायु-अनुकूल कार्यों के जरिए गांवों की आय बढ़ाएगी।

2047 के विकसित भारत से जोड़ने की कोशिश

भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान का उद्देश्य ड्क्क्-त ऋरूल को विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ना और इसे ग्रामीण परिवर्तन का मजबूत आधार बनाना है। पार्टी का मानना है कि सही जानकारी और संवाद के जरिए विपक्ष के ÷किसान-विरोधी और गरीब-विरोधी दुष्प्रचार को जमीनी स्तर पर बेअसर किया जा सकेगा।

वन अफसर-कर्मियों को भत्ता नहीं

नक्सल भत्ते की फाइल तीन माह तक टेबलों पर भटकती रही, अब इंकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कान्हा नेशनल पार्क समेत बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जिले में पदस्थ वन अधिकारियों और वनकर्मियों को अब नक्सल भत्ता नहीं मिल पाएगा। क्योंकि नक्सल भत्ता दिए जाने के सरकार के निर्देश से लेकर प्रस्ताव तैयार करने और मंजूरी के लिए अंतिम टेबल पर पहुंचने से पहले ही मप्र नक्सल मुक्त हो गया है। वन विभाग खुद मुख्यमंत्री के पास है, उन्होंने 20 जून 2025 को वन विभाग के कामकाज की समीक्षा बैठक की थी।

इसी बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए थे, नक्सल प्रभावित इलाकों में पदस्थापना वाले वन अधिकारियों और कर्मचारियों को पौष्टिक आहार भत्ता एवं विशेष भत्ता आदि देकर उनका हौसला बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही वनों की सुरक्षा को लेकर उल्लेखनीय काम करने वाले वनकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन भी दिया जाएगा।

सीएम मोहन यादव ने तत्कालीन वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव को निर्देश दिए थे कि जल्द ही यह दोनों प्रस्ताव तैयार कर शासन को भिजवाएं। असीम जुलाई 2025 में रिटायर्ड हो गए। नए बन बल प्रमुख विजय कुमार अंबाड़े ने अक्टूबर माह में प्रस्ताव तैयार कराकर शासन को भिजवाया। दिसंबर महीने के आखिर में यह प्रस्ताव मंजूरी के लिए वन विभाग के एसीएस अशोक बर्णवाल की टेबल पर पहुंचा। तो एसीएस ने इस टीप के साथ फाइल वापस लौटा दी कि मप्र अब पूरी तरह नक्सल मुक्त हो चुका है, इसलिए अब जब कोई इलाका नक्सल प्रभावित है ही नहीं तो इसके नाम पर अतिरिक्त भत्ते की कोई जरूरत ही नहीं हैं। गौरतलब है कि 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री मोहन यादव अंतिम दो नक्सलियों को सरेंडर के बाद मप्र को पूरी तरह नक्सल मुक्त घोषित कर दिया था। अतिरिक्त नक्सल भत्ता...
गौरतलब है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात पुलिस कर्मियों को अतिरिक्त नक्सल भत्ता मिलता है।

मासिक वेतन के अतिरिक्त देना था भत्ता, सूची भी तैयार हो गई थी...

राज्य शासन के निर्देश पर ही मप्र वन विभाग ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, वन क्षेत्रों और कान्हा टाइगर रिजर्व में पदस्थ वनपालों को 3500 रुपए महीना (सालाना 42 हजार) और वनरक्षकों को 2700 रुपए प्रति महीना (सालाना 32 हजार 400) अतिरिक्त नक्सल भत्ता देने का प्रस्ताव तैयार किया था। यह भत्ता मासिक वेतन के अतिरिक्त देना था। 250 से अधिक वन कर्मियों को पात्र मानकर सूची तैयार कर ली गई थी।

जहर जैसा भोपाल का ग्राउंड वॉटर, 100 गुना ज्यादा आयरन

7 जगह का पानी इंदौर से ज्यादा दूषित पीने पर रोक, पर उग रही फल-सब्जियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर के भागीरथपुरा में फीकल कॉलिफॉर्म, ई-कोलाई, विब्रियो कोलेरी और प्रोटोजोआ जैसे खतरनाक बैक्टीरिया वाले पानी की वजह से अब तक 20 जानें जा चुकी हैं। यही ई-कोलाई बैक्टीरिया भोपाल के पानी में भी मिला है। राजधानी के कई इलाकों में पेयजल इतना दूषित है कि इसे पीना तो दूर हाथ-मुंह या बर्तन धोने से भी लोग डरते हैं। नल से आ रहा पानी चंद मिनटों में ही लाल हो जाता है। बदबू इतनी होती है कि सांस लेना भी दूभर है। भोपाल के आदमपुर छावनी, हरिपुरा, पड़रिया, शांति नगर, अर्जुन नगर, कोलुआ, खानूगांव और वाजपेयी नगर के ग्राउंड वाटर में कैंसर, हैजा, टाइफाइड और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियों की वजह बनने वाला %खतरनाक% बैक्टीरिया मिला है। यहां की आबादी 5 हजार से ज्यादा है। पीने के पानी में बैक्टीरिया की पुष्टि खुद भोपाल नगर निगम की रिपोर्ट से हुई है।

इस पानी में आयरन की मात्रा 10 या 20 गुना नहीं, बल्कि पूरे 100 गुना ज्यादा है। यदि भूल से भी ये पानी कोई पी ले तो हेमोक्रोमैटोसिस जैसी बीमारी होने के पूरे चांस हैं। यहां के ग्राउंड वॉटर में टीडीएस (टोटल डिसॉल्व्ड सॉलिड्स), कैल्शियम, टोटल हार्डनेस, सल्फेट, कोलीफॉर्म भी ज्यादा मात्रा में हैं। सर्वे टीम भोपाल के सबसे प्रदूषित इलाके में पहुंची, जो आदमपुर खंती के आसपास है। टीम ने जब ग्राउंड वाटर देखा तो कहीं भी पानी पीने क्या, बर्तन या हाथ-पैर धोने के लिए भी उपयोगी नहीं दिखा। इस वजह से लोग बाहर से आने वाले टैंकरों के पानी पर डिपेंड हैं। दूसरी ओर यहां पर फल और सब्जियां भी उगाई जा रही हैं। जो हर रोज बड़ी मात्रा में भोपाल की मंडियों में पहुंच रही हैं। इनके उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

पडरिया में एक भी हैंडपंप से स्वच्छ पानी नहीं

पडरिया में करीब 8 हैंडपंप हैं, लेकिन एक भी ऐसा नहीं है, जो साफ पानी दे रहा है। पानी में लाल रंग के बैक्टीरिया नंगी आंखों से ही नजर आ जाते हैं। किराना दुकान चलाने वाले इरफान मियां ने बाल्टी में भरे पानी को कांच के गिलास में दिखाया। पानी न सिर्फ लाल था, बल्कि बदबूदार भी था। इरफान ने बताया कि करीब 10 साल से हैंडपंप यही जहर उगल रहे हैं। इसका उपयोग हम पीने के लिए नहीं करते हैं, बल्कि दुकान के सामने जमीन पर छिड़काव कर देते हैं। इरफान मियां की दुकान के ठीक पीछे ही एक और हैंडपंप नजर आया। पानी भर रही एक महिला ने कहा- अधिकतर हैंडपंप से लाल पानी ही आता है। हम इसे पीते नहीं हैं, बल्कि कपड़े धो लेते हैं।

फसलों की सिंचाई करना मजबूरी

शांति नगर के महेश उईके ने कहा- निगम टैंकर भेजता है। हम इसी का पानी पीते हैं। भूजल खराब है, इससे मजबूरी में फसलों की सिंचाई करते हैं। घोड़ा पछाड़ नहर का पानी भी खराब स्थिति में ही है। पर्यावरणविद् डॉ. सुभा?ष पांडे ने कहा- जनवरी 2018 से आदमपुर छावनी में भोपाल का कचरा डंप किया जा रहा है।

पानी में मिले कैंसर देने वाले आयरन-क्रोमियम

पर्यावरणविद् पांडे ने बताया कि सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (, एमपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट और मेरी रिसर्च में भी यह सच सामने आ चुका है। इंदौर में तो ई-कोलाई बैक्टीरिया ही मिला है, लेकिन यहां इससे भी ज्यादा गंभीर समस्या है। आदमपुर खंती और आसपास के गांवों में भूजल के अंदर आयरन, क्रोमियम भी मिले हैं, जिनसे कैंसर जैसी बीमारी होती है। CPCB ने अगस्त 2025 में अपनी 80 पेज की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की थी। इसमें पानी में इतना आयरन बताया गया था कि यह न सिर्फ पीने, बल्कि सब्जी और फसलों के पैदावार के लिए भी ठीक नहीं है। कुल 25 पैरामीटर में से 9 ऐसे थे, जो ज्यादा खतरनाक स्थिति में मिले।

राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों के सम्मेलन में सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों के सम्मेलन में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

पीएमश्री योजना में प्रदेश के 799 विद्यालयों का किया है चयन

भोपाल । विद्यार्थियों को बेहतर, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी पीएमश्री (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 799 शासकीय विद्यालयों का चयन किया गया है। स?कूल शिक्षा विभाग द्वारा अब इन विद्यालयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप आदर्श, आधुनिक एवं समावेशी शैक्षणिक संस्थानों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इ?ससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित, सुविधायुक्त एवं प्रेरणादायी अध्ययन वातावरण प्राप्त हो सके। पीएमश्री योजना से मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, नवाचार और समावेशन का एक सशक्त मॉडल प्रस्तुत कर रहा है।

46 जिलों में एटीएस नहीं, मैनुअल फिटनेस जारी रखने का मंत्री ने केंद्र से किया आग्रह

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्र सरकार द्वारा जिला परिवहन कार्यालयों में वाहनों की मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया समाप्त कर ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के माध्यम से ही वाहन फिटनेस कराए जाने का प्रावधान किया है। हालांकि मध्यप्रदेश के 55 जिलों में से फिलहाल केवल 9 जिलों में ही एटीएस की सुविधा उपलब्ध है, जबकि 46 जिलों में अभी यह व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी है। इस स्थिति को देखते हुए परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने केंद्र सरकार से मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को जारी रखने का आग्रह किया है।

परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मध्यप्रदेश में सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान परिवहन मंत्री सिंह ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 1 जनवरी 2026 को जारी पत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके तहत जिला परिवहन कार्यालयों में वाहनों की मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को समाप्त कर केवल ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन के माध्यम से फिटनेस परीक्षण किए जाने का प्रावधान किया गया है।

इन जिलों में सचालित हो रहे हैं एटीएस

मध्य प्रदेश में वर्तमान में प्रदेश के ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, सतना, सिंगरौली, देवास और धार जिलों में एटीएस संचालित हैं, जहां वाहन फिटनेस पूरी तरह से ऑटोमेटेड प्रणाली से की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के शेष जिलों में एटीएस की सुविधा उपलब्ध नहीं है। परिवहन मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से एक बड़ा राज्य है, जहां कई जिलों के बीच की दूरी 150 किलोमीटर से अधिक है। ऐसे में एटीएस विहीन जिलों के वाहन स्वामियों को फिटनेस परीक्षण के लिए दूसरे जिलों में वाहन ले जाना पड़ता है, जिससे समय अधिक लगता है और ईंधन खर्च भी बढ़ता है।

भोपाल में ट्रांसफर आदेश के बाद भी उन्हीं थानों में जमे पुलिसकर्मी

भोपाल। आला अधिकारियों के फरमान पुलिस महकमे में किस तरह हवा में उड़ा दिए जाते हैं, इसका नमूना राजधानी के पुलिस थानों में देखा जा सकता है। जहां अधिकारियों के हस्ताक्षर से जारी ट्रांसफर आदेश थानों तक पहुंचते ही अपनी वैधानिक हैसियत खो देते हैं। हालात यह हैं कि तबादला होने के बावजूद पुलिसकर्मी महीनों तक न पुराने थानों से रवानगी लेते हैं और न ही नई पदस्थापना पर आमद दर्ज कराते हैं।

इस खुली नाफरमानी ने पूरे ट्रांसफर सिस्टम को सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है। राजधानी के कई थानों में ऐसे आरक्षक, प्रधान आरक्षक और यहां तक कि उप निरीक्षक (एसआई) तक तैनात हैं, जिनका तबादला छह महीने से लेकर एक साल पहले हो चुका है। कागजों में वे कहीं और पदस्थ बताए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि वे अब भी उन्हीं थानों में आराम से जमे हुए हैं। न किसी को आदेश की चिंता है, न कार्रवाई का डर।

डेढ़ साल बाद दोबारा आदेश निकाला, तब अमल में आया

भोपाल कमिश्नरेट में यूं तो ट्रांसफर आदेश की अवहेलना आम हो चुकी है, लेकिन जब मुख्यालय डीसीपी श्रद्धा तिवारी द्वारा 2024 में निकाले गए आदेश का अमल नहीं हुआ और उन्हें संबंधित पुलिसकर्मियों को थाने से हटाने के लिए दोबारा आदेश जारी करना पड़ा तो एक बार फिर पूरी ट्रांसफर प्रक्रिया की तस्वीर सामने आई। जून 2024 में जहांगीराबाद और बजरिया थाने से एसआई राजकुमार गौतम और उमेश मिश्रा का ट्रांसफर पिपलानी थाने में किया गया था।

दोपहर मेट्रो

ईएसबी ने वर्ष 2026 के लिए भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर किया था घोषित

मप्र में 15 हजार पदों पर होगी भर्ती, पुलिस विभाग में बंपर नौकरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) इस साल 15 हजार पदों के लिए भर्ती करेगा। सर्वाधिक साढ़े सात हजार पद पुलिस आरक्षकों के भरे जाएंगे। इनके अलावा क्षेत्ररक्षक, जेल प्रहरी और सहायक अधीक्षक के 1,426 और अस्पताल सहायक व चतुर्थ श्रेणी के 1,287 पदों पर भर्ती होगी। ईएसबी ने वर्ष 2026 के लिए भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर घोषित किया था।

16 भर्तियां और पांच प्रवेश परीक्षाएं- अब ईएसबी ने परीक्षाओं के लिए रिक्तियों की संभावित संख्या, परीक्षाओं और परिणाम की संभावित तिथि भी जारी की है। विभिन्न पदों के लिए 16 भर्तियां निकाली जाएंगी। पांच प्रवेश परीक्षाएं भी होंगी। इन परीक्षाओं में करीब 20 लाख अभ्यर्थियों के शामिल होने का अनुमान है। ये भर्तियां राज्य के पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिए की जाएंगी।

30 हजार पदों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा- इन भर्तियों के अलावा प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए करीब 30 हजार पदों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा भी आयोजित होगी। इसके साथ ही, महिला एवं बाल विकास विभाग, डेयरी और कृषि आदि विभागों में डिप्लोमा और प्रशिक्षण के लिए भी पांच प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इस साल माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से करीब 30 हजार पदों को भरने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी परीक्षा जुलाई व अगस्त में कराई जाएगी। इनके परिणाम सितंबर व अक्टूबर में घोषित किए जाएंगे। इसके बाद इनका चयन परीक्षा आयोजित होंगी।

जेल विभाग में 1426 पदों पर होगी भर्ती

अन्य वर्दीधारी सेवाओं में भी भर्ती का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया है। जेल विभाग में क्षेत्र रक्षक, जेल प्रहरी और सहायक जेल अधीक्षक के इन पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा मार्च में आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से कुल 1426 पदों को भरा जाएगा।

आरक्षक भर्ती अक्टूबर से दिसंबर तक

मध्य प्रदेश पुलिस विभाग ने अगले तीन सालों में करीब 22 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती की योजना तैयार है। पहले चरण में इस साल 7500 पुलिस आरक्षकों की भर्ती होगी। यह भर्ती प्रक्रिया अक्टूबर से दिसंबर माह के बीच पूरी की जानी है। इसके अलावा, सूबेदार और उपनिरीक्षक 2025 के 500 पदों पर भी भर्ती निकली है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है परीक्षा 16 जनवरी से आयोजित की जाएगी।

सरल हो एसआईआर की प्रक्रिया

कई राजनीतिक विवाद और तारीखें बढ़ने के बाद आखिरकार यूपी में स्पेशल इंटेशिव रिविजन (एसआईआर) का ड्राफ्ट रोल जारी हो गया। चुनाव आयोग ने बताया है कि पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ नाम काटे गए हैं इसका अंदाजा पहले से ही था। अभी तक जिन 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट लिस्ट आई है, वहां कुल मिलाकर 3.69 करोड़ नाम कटे हैं। ड्राफ्ट लिस्ट फाइनल नहीं होती। लोगों के पास दावे और आपत्तियों के लिए अब भी मौका है, लेकिन यह प्रक्रिया सरल और आम नागरिकों की सुविधा का ख्याल रखने वाली होनी चाहिए।

बिहार का उदाहरण: पहले चरण में 2.89 करोड़ नाम कटे: बिहार में एसआईआर को अंजाम दिया गया था। वहां जारी शुरुआती लिस्ट में 65 लाख नाम कटे थे, जिसे लेकर काफी हंगामा मचा था। जब लिस्ट रिवाइज की गई, तो 17.9 लाख वोटर्स और बढ़ गए। ऐसा ही बदलाव यूपी और उन राज्यों में भी देखने को मिल सकता है, जहां आपत्तियां ली जा रही है या अब ली जाएंगी।

बंगाल में विवाद: चुनाव से जुड़ी जरूरी प्रक्रिया होने के बावजूद एसआईआर को लेकर कई विवाद चलते रहे हैं। दुर्भाग्य से दूसरे चरण में जिन राज्यों में ड्राफ्ट रोल आ चुका है, वहां भी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे। खासकर बंगाल में सबसे ज्यादा असंतोष है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब स्ढ्क्रमें इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर पर सवाल उठाए हैं। उनकी पार्टी ञ्चस्ष्ट उन वोटर्स की मैपिंग में भी गड़बड़ी बता रही है, जिनके नाम लिस्ट में नहीं हैं।

लोगों की मदद: चुनाव आयोग ने डेटा जारी कर बताया है कि इन नामों को किन-किन वजहों से काटा गया। यह स्पष्टीकरण अच्छी बात है, लेकिन जिनके नाम नहीं है, उन्हें उनके मताधिकार को हासिल करने के लिए हरसंभव मदद की जानी चाहिए। इसमें राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे दावे-आपत्तियां दाखिल कराने, नाम चेक करने में आम लोगों की मदद करें। बिहार एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी जताई थी और पूछा था कि पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं व जनता के बीच इतनी दूरी क्यों है।

साझा जिम्मेदारी: लगभग 21 साल पहले हुए एसआईआर की यादें भी अब धुंधली है, क्योंकि तब इतना शोर नहीं मचा था। शायद इसकी वजह बदली राजनीतिक परिस्थितियां है। अब यह शोर चुनावी उत्सव पर भारी न पड़े, जनता का सिस्टम पर से भरोसा न कम हो - इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है।

प्रवासी भारतीय दिवस

मातृभूमि से दूर बसे अपनों से भारत का संवाद, साझा स्मृतियों की निरंतर धारा

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

भारत केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और साझा स्मृतियों की निरंतर धारा है। यह धारा देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि समय के साथ समुद्रों, महाद्वीपों और संस्कृतियों को पार करती हुई विश्व के कोने-कोने तक पहुँची। इसी वैश्विक विस्तार का मानवीय रूप है प्रवासी भारतीय समुदाय। इन्हीं प्रवासी भारतीयों के योगदान, संघर्ष, उपलब्धियों और भारत से उनके अटूट रिश्ते को सम्मान देने के लिए हर वर्ष नौ जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। वर्ष दो हजार पंद्रह के बाद से यह आयोजन हर दो वर्ष में एक बार बड़े सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जाने लगा है, लेकिन दिवस के रूप में इसका प्रतीकात्मक महत्व निरंतर बना हुआ है।

नौ जनवरी की तिथि का अपना ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व है। इसी दिन वर्ष उन्नीस सौ पंद्रह में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। विदेश की धरती पर रहते हुए उन्होंने सत्य और अहिंसा के प्रयोग किए, रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष किया और वहीं से एक ऐसे नेतृत्व का निर्माण हुआ, जिसने आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। गांधीजी का यह लौटना केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं थी, बल्कि यह संदेश था कि विदेश में अर्जित अनुभव, ज्ञान और संघर्ष की ऊर्जा मातृभूमि के उत्थान में कितनी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रवासी भारतीय दिवस इसी विचार का आधुनिक विस्तार है। प्रवासी भारतीय दिवस का मूल उद्देश्य भारत और विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच सेतु बनाना है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ विचारों का आदान-प्रदान होता है। प्रवासी भारतीय अपने अनुभव साझा करते हैं, भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने के नए रास्ते तलाशते हैं और भारत सरकार भी उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं तथा सुझावों को प्रत्यक्ष रूप से सुनती है। यह आयोजन यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को केवल पासपोर्ट या निवास की परिभाषा में नहीं बाँधता, बल्कि उन्हें अपनी व्यापक राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा मानता है। वर्ष दो हजार तीन में इस सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हुई थी। उस समय यह महसूस किया गया कि विश्व भर में फैले भारतीय समुदाय ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग, व्यापार, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इन उपलब्धियों का लाभ केवल संबंधित देशों तक सीमित न रहे, बल्कि भारत की प्रगति में भी उनका समुचित योगदान सुनिश्चित हो। तभी से प्रवासी भारतीय दिवस एक संवाद, सम्मान और सहभागिता का उत्सव बन गया। हाल के वर्षों में इस आयोजन का स्वरूप और अधिक व्यापक हुआ है। दो हजार पच्चीस में आयोजित अठारहवें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय विशेष रूप से प्रासंगिक रहा। यह विषय इस बात को रेखांकित करता है कि आने वाले वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना में प्रवासी भारतीयों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। निवेश, नवाचार, कौशल, वैश्विक संपर्क और सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से प्रवासी भारतीय भारत के विकास लक्ष्य को गति दे सकते हैं।

इस सम्मेलन के दौरान विशेष पर्यटक रेल सेवा का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है। इसके साथ ही ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रदर्शनों के माध्यम से उन भारतीयों की यात्रा को भी सामने लाया गया, जो कभी गुजरात के तटों से निकलकर ओमान, अफ्रीका और अन्य देशों में बसे। यह इतिहास केवल पलायन की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, परिश्रम और अनुकूलन की प्रेरक गाथा है। प्रवासी भारतीय दिवस के विमर्श में गिरमिटिया मजदूरों का स्मरण विशेष महत्व रखता है। औपनिवेशिक काल में हजारों भारतीयों को अनुबंधित मजदूर के रूप में फिजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में ले जाया गया। कठिन परिस्थितियों, शोषण और अपमान के बावजूद उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा। आज उन्हीं के वंशज उन देशों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका स्मरण हमें यह सिखाता है कि भारतीय पहचान कितनी दृढ़ और जीवंत है। प्रवासी भारतीय दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष है प्रवासी भारतीय सम्मान। यह सम्मान उन व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने विदेशों में रहते हुए भारत की छवि को सशक्त किया, स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए कार्य किया और भारत तथा अपने निवास देश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत बनाया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का नहीं, बल्कि सामूहिक गौरव का प्रतीक है।

आज के वैश्वीकृत युग में जब पहचानें तेजी से बदल रही हैं, प्रवासी भारतीय दिवस स्थायित्व का प्रतीक बनकर उभरता है। यह बताता है कि दूरी भौगोलिक हो सकती है, भावनात्मक नहीं। भारत और प्रवासी भारतीयों का रिश्ता समय, राजनीति और परिस्थितियों से परे है। यह रिश्ता साझा मूल्यों, स्मृतियों और भविष्य के सपनों से बना है। अंततः प्रवासी भारतीय दिवस भारत के उस आत्मविश्वास का उत्सव है, जो अपने बेटों और बेटियों को दुनिया में आगे बढ़ते देखकर गर्व करता है और उन्हें फिर से अपनी विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित करता है। यह दिवस यह संदेश देता है कि भारत की प्रगति की कहानी अधूरी है, जब तक उसमें प्रवासी भारतीयों की सहभागिता, अनुभव और ऊर्जा शामिल न हो। यही कारण है कि प्रवासी भारतीय दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक आत्मा का उत्सव है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बांग्लादेशी खिलाड़ी के बहाने भारत में अभिनेता शाहरुख़ खान के विरोध का स्तर और औचित्य

निर्मल रानी
स्तंभकार

भारतीय मीडिया के एक वर्ग ने पिछले दिनों बहस के लिये जिस सबसे ज्वलंत मुद्दे को बहस के लिये ज़रूरी समझा वह था आई पी एल की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) में एक बांग्लादेशी खिलाड़ी के ख़रीदने पर शाहरुख़ का विरोध और इस पर चर्चा करना। ग़ौरतलब है कि बंगलादेश में छात्रों और जनता के भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख़ हसीना की सरकार 5 अगस्त 2024 को गिर गई थी और उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया था साथ ही वे बंगलादेश छोड़कर भारत आ गयी थीं। उसी समय से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक विरोधी हिंसा व प्रदर्शन लगातार हो रहे हैं। कई हिन्दुओं को लक्षित कर जान से मारा जा चुका है। ऐसे में भारतीयों में बंगला देश के विरुद्ध गुस्सा स्वाभाविक है। इसी बीच प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की विभिन्न टीमों ने अनेक अंतररष्ट्रीय खिलाड़ियों को बोली लगाकर ख़रीदा। ऐसा ही एक बांग्लादेशी तेज़ गेंदबाज था मुस्तफ़िज़ुर रहमान। इस बांग्लादेशी खिलाड़ी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने IPL 2026 की नीलामी में रिकार्ड 9.2 करोड़ रुपये की बोली लगाकर ख़रीदा था। यह IPL इतिहास में किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी की सबसे ऊंची बोली थी। कोलकाता नाइट राइडर्स अथवा KKR के मुख्य रूप से जो तीन लोग मालिक हैं उनके नाम हैं बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख़ ख़ान, अभिनेत्री जूही चावला और उनके पति जय मेहता। गोया यह तीनों ही KKR टीम के सह-मालिक हैं।

परन्तु बीसीसीआई की मर्ज़ी से इस बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफ़िज़ुर रहमान का नाम नीलामी पूल में शामिल किये जाने के बावजूद तथा शाहरुख़ के साथ साथ जूही चावला और उनके पति जय मेहता के पास भी KKR का स्वामित्व होने के बावजूद साम्प्रदायिकता में ही प्रसिद्धि तलाशने वाले कुछ पेशेवर क़िस्म के सम्प्रदायकतावादियों द्वारा अपने निशाने पर केवल शाहरुख़ ख़ान को ही लिया गया। हालांकि इस सम्बन्ध में आने वाली ताज़ा ख़बरों के अनुसार अब बीसीसीआई ने के आर के को बांग्लादेश के इस तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफ़िज़ुर रहमान को टीम से अलग करने व इसके बदले किसी दूसरे खिलाड़ी को रखने की अनुमति दे दी है। परन्तु इस विषय पर बी सी सी आई ,जूही चावला व जय मेहता को छोड़कर केवल शाहरुख़ ख़ान के विरोध में इस्तेमाल किये गये शब्दों व उसके पीछे छुपे इरादों ने न केवल एक बार फिर सम्प्रदायवाद आधारित एक बहस को जन्म दे दिया है बल्कि इसी बहाने सोशल मीडिया पर शाह रुख़ व निहायत ही घटिया शब्दों में उनकी आलोचना करने वालों की पारिवारिक पृष्ठभूमि व देश के प्रति उनके योगदान व क़ुर्बानियों की भी तुलनात्मक चर्चा की जाने लगी है। शाहरुख़ को किसी ने ग़द्दार कहा तो किसी ने देशद्रोही बताया जबकि कुछ लोगों ने आई पी एल में KKR बॉयकॉट की बात की। इस विरोध का कारण केवल यही था कि शाहरुख़ ख़ान मुस्लिम हैं और बंगलादेशी खिलाड़ी मुस्तफ़िज़ुर रहमान भी मुस्लिम हैं। जबकि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख़ हसीना इन दिनों भारत में पनाह लिये हुये हैं। किसी स्वयंभू राष्ट्रवादी को कोई आपत्ति नहीं है। पिछले दिनों बांग्लादेश के इस बिगड़े हिंसक साम्प्रदायिक माहौल के बीच पूर्व प्रधानमंत्री ख़ालिदा ज़िया की मृत्यु पर विदेश मंत्री ने शिरकत की और भारत बांग्लादेश संबंधों को सामान्य बनाने का सन्देश दिया। न किसी धर्मात्मा को बुरा लगा न किसी राष्ट्रवादी नेता को। इन्हें बस सबसे बड़ा अपराधी यदि कोई नज़र आया तो वह शाहरुख़ ख़ान ? वह शाहरुख़ ख़ान जो सैकड़ों करोड़ आयकर का प्रतिवर्ष भुगतान कर देश की अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। उन्हें उनके लंबे और शानदार फ़िल्मी कैरियर में कई प्रमुख राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं। वे बॉलीवुड के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक हैं और उन्होंने 15 फ़िल्म फ़ेयर अवॉर्ड्स सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। शाहरुख़ को 2025 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिल चुका है। यह उनका पहला राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार है। इसके अलावा उन्हें कई स्क्रीन अवॉर्ड्स, ज़ी सिने अवॉर्ड्स, IIFA अवॉर्ड्स और प्रोड्यूसर्स गिल्ड अवॉर्ड्स हासिल हो चुके हैं। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए उन्हें देश का सर्व प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार 2005 में भारत सरकार द्वारा दिया जा चुका है। इसी तरह 2007 में फ्रांस सरकार द्वारा ऑर्ड्रे दे आर्ट्स एट दे लेट्र्स अवार्ड मिला जबकि 2014 में फ्रांस की सबसे ऊँचा नागरिक सम्मान लीजन ऑफ़ ऑनर भी मिल चुका है। उन्होंने 2018 में विश्व आर्थिक मंच द्वारा महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए नेतृत्व करने हेतु क्रिस्टल अवॉर्ड प्राप्त किया। जबकि 2011 में बच्चों की शिक्षा के लिए दान कार्य हेतु यूनेस्को का पिरामाइड कॉन मार्नी अवॉर्ड हासिल किया। शाहरुख़ ख़ान को एडिनबरा यूनिवर्सिटी, बेडफ़ोर्डशायर यूनिवर्सिटी, ला ट्रोब यूनिवर्सिटी आदि से डॉक्टरेट की कई मानद मिल चुकी हैं। इसी तरह 2024 में उन्हें लोकर्नो फ़िल्म फ़ेस्टिवल (स्विट्ज़रलैंड) पार्डो आला कारिएरा का लाइफ़ टाइम अचीवमेंट अवार्ड हासिल हो चुका है।

जहाँ तक शाहरुख़ ख़ान को ग़द्दार या देशद्रोही कहने का प्रश्न है तो ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने वाले ज़हरीले लोगों को अपने पारिवारिक संस्कारों की तुलना भी शाहरुख़ ख़ान के पारिवारिक संस्कारों से ज़रूर करनी चाहिये। ग़ौरतलब है कि आज़ाद हिन्द फ़ौज के मेजर जनरल शाहनवाज़ ख़ान शाहरुख़ ख़ान की मां लतीफ़ फ़ातिमा को अपनी बेटी के समान समझते थे। यहाँ तक कि शाहरुख़ के पिता मीर ताज मोहम्मद ख़ान से लतीफ़ फ़ातिमा की शादी भी शाह नवाज़ ख़ान के बंगले में ही हुई थी। यह साबित करता है कि कर्नल शाहनवाज़ ख़ान का शाहरुख़ के परिवार से गहरा आत्मीय रिश्ता था। इसीलिये यह भी कहा जाता है कि शाहरुख़ ख़ान की माँ लतीफ़ फ़ातिमा को आज़ाद हिन्द फ़ौज के मेजर जनरल शाह नवाज़ ख़ान ने गोद लिया था या वे उनके लिए पिता तुल्य थे। ऐसे संस्कारों में परवरिश पाने वाले शाहरुख़ खान को ग़द्दार व देशद्रोही जैसी उपाधियाँ देने वालों को अपने पारिवारिक संस्कारों व देश के प्रति शाहरुख़ की क़ुर्बानियों व सेवाओं की तुलना ज़रूर करनी चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

सेब से ज्यादा फाइबर अमरुद में , निकाल देता है आंतों की गन्दगी

बचपन से हमें सिखाया गया है कि हर दिन एक सेब खाना चाहिए। ऐसा करने से बीमारियां दूर रहती हैं और डॉक्टर के पास नहीं जाना पड़ता है। वहीं अमरूद में खूब सारे पोषक तत्व होते हैं और यह सर्दियों का सुपरफूड कहा जाता है। दोनों ही फल अलग-अलग न्यूट्रिएंट्स देते हैं, जो शरीर को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सेब और अमरूद में से किसके अंदर ज्यादा फाइबर होता है।आपको बता दें कि फाइबर आपके पेट, डायजेशन और आंतों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। लेकिन यह केवल एक फायदा है, जबकि फाइबर के बहुत सारे काम होते हैं।

सेब और अमरूद दोनों ही फाइबर के बढ़िया सोर्स हैं। लेकिन अमरूद के अंदर ज्यादा फाइबर होता है। इसलिए अगर आप फाइबर के लिए फल खा रहे हैं तो अमरूद का चुनाव कर सकते हैं। स्4 स्नश्रश्वस्न ष्ठड्डह्लड्ड के मुताबिक 100 ग्राम सेब के अंदर 2.4 ग्राम फाइबर होता है, जबकि 100 ग्राम अमरूद के अंदर 5.4 ग्राम फाइबर होता है। खाने में इनसॉल्यूबल फाइबर की कमी से मल आंतों में फंस सकता है और कब्ज बन सकती है। डाइटरी फाइबर से मल मुलायम बनता है और उसका आकार भी बढ़ जाता है। जिससे वह आसानी से आंतों से होकर बाहर निकल जाता है। वरना यह अंदर स्टोर होकर आंतों की अंदरुनी परत को नुकसान पहुंचाने लगता है।

पाइल्स का खतरा कम: मायोक्लीनिक कहती है कि हाई फाइबर लेने से पाइल्स से बचाव हो सकता है। इस स्थिति में गुदा के निचले हिस्से की नसों में सूजन आ जाती है और वह दर्द करने लगती हैं। इनके फटने की वजह से खूनी बवासीर हो सकती है। इन फलों में मौजूद सॉल्यूबल फाइबर कोलेस्ट्रॉल घटा सकता है। यह दूसरे फूड्स में मौजूद कोलेस्ट्रॉल को सोख लेते हैं, जिससे आपका लिपिड प्रोफाइल सही रहता है। दिल के मरीजों के लिए यह फायदेमंद पोषक तत्व है।

शुगर से बचाव: फाइबर आपके खाने के पाचन को धीमा करता है। जिससे उस फूड या दूसरे फूड्स का ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म भी धीमा होता है। इससे आपका ब्लड शुगर अचानक नहीं बढ़ता है और धीरे-धीरे लंबे समय तक एनर्जी मिलती रहती है।?पाचन धीमा होने की वजह से आपकी भूख कंट्रोल रहती है। यह पेट को देर तक भरा रखता है। जिससे कैलोरी इनटेक कम हो जाती है और अनहेल्दी चीजें खाने की इच्छा भी कम होती है। दोनों ही फायदे आपके वजन को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं।

सुविचार

आज आप जो दर्द महसूस करते हैं, वही कल आपकी ताकत बन जाएगा।
–अज्ञात

निशाना

वक्त भी ना जाने कैसे...

कुमार अखिलेश

'वक्त भी ना जाने कैसे कैसे खेल दिखाता है,
कभी इधर का,कभी उधर का खेल दिखाता है।
रखता है नजर खामोशी से अपने खेल पर
सूरमा वक्त आने पर अपना खेल दिखाता है।
जिसे अक्सर हम समझते हैं अनाड़ी खिलाड़ी,
वहीं जिंदगी का असली खेल दिखाता है।
बचपन में जिन्हें खेलना चाहिए खिलौनों से,
वो ही रोटी के लिए सड़कों पे खेल दिखाता है।
वही होता है मैदान का असली खिलाड़ी जो,
विपरीत परिस्थितियों में अपना खेल दिखाता है।
कई वर्षों तक खेलता है, खेल जहन में अपने,
वो ही खिलाड़ी एक दिन अलग खेल दिखता है।

गेजेट्स अपडेट

चीनी कंपनियों को टक्कर देने की तैयारी में ऐपल 200MP कैमरा के साथ आएगा आईफोन 20

ऐपल हर साल नए आईफोन्स लॉन्च करती है। नई आईफोन सीरीज में हर बार कुछ ना कुछ कैमरा अपग्रेड देखने को जरूर मिलता है। चाहे वह छोटा ही क्यों ना हो। नई रिपोर्ट से पता चला है कि ऐपल आगे आने वाले में कैमरा के लिए बड़ा अपग्रेड जारी करने वाली है। इन्वेस्टमेंट बैंक मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट के मुताबिक में ऐपल, आईफोन सीरीज में 200MP का कैमरा लाने पर काम कर रही है। इसका मतलब है कि 2028 में आने वाली आईफोन सीरीज में 200MP का कैमरा मिल सकता है। इस साल आईफोन 18 सीरीज लॉन्च की जाएगी और ऐपल के पैर्टन को देखें को 2027 में आईफोन 19 सीरीज और 2028 में आईफोन 20 सीरीज लॉन्च होने की उम्मीद है। यानी आईफोन 20 सीरीज में 200MP का कैमरा दिया जा सकता है।

इससे पहले 2025 में भी जाने-माने वीबो टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन ने दावा किया था कि ऐपल भविष्य के आईफोन के लिए 200MP कैमरे की टेस्टिंग कर रहा है। हालांकि, उस समय यह साफ नहीं था कि अपग्रेड कब तक मिलेगा। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट से यह पता चला है कि ऐपल यह अपग्रेड किस साल में लाएगी, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस आईफोन सीरीज में 200MP का कैमरा मिल सकेगा। इस टाइमलाइन को देखें तो यूजर्स को 200MP कैमरा वाले आईफोन के लिए बहुत ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा।

फिलहाल, ऐपल आईफोन के सभी रियर कैमरों पर 48MP सेंसर का इस्तेमाल करता है, जिसमें मेन, अल्ट्रा-वाइड और टेलीफोटो लेंस शामिल हैं। कंपनी ने पहले मेन कैमरा के लिए 12MP से 48MP तक का सफर तय किया और फिर इसे अन्य लेंसों के लिए भी लाया गया है।

अभी जारी रहेंगे 48MP के कैमरे: इस रिपोर्ट से ये भी पता चलता है कि ऐपल आईफोन 18 और 2027 में आने वाले मॉडल्स में 48MP कैमरा ही देने पर विचार कर रही है। मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि 2028 के आईफोन के लिए 200MP सेंसर सैमसंग द्वारा सप्लाई किया जाएगा। बता दें कि अभी तक ऐपल और सैमसंग ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है। आगे आने वाले समय में 200MP कैमरा वाले आईफोन के बारे अन्य जानकारियां सामने आ सकती हैं। आईफोन लवर्स के लिए यह काफी खास होगा, क्योंकि अभी 48MP कैमरा वाले आईफोन्स की फोटोग्राफी को काफी पसंद किया जाता है तो जब आईफोन में 200MP कैमरा मिलेगा तो उससे क्लिक की गई फोटोज किसी अच्छे DSRL कैमरे से कम नहीं होंगी। इस कारण इस अपग्रेड को लेकर लोगों में उत्सुकता भी दिख रही है।

अजब - गजब

वैज्ञानिकों के रिसर्च का विषय बना एक गांव यहां 60 साल से पैदा हो रहे हैं सिर्फ 'बौने'

दुनियाभर में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका रहस्य आज तक अनसुलझा है। इनमें से कोई जगह समुद्र के बीच है, जहां उड़ता हुआ जहाज भी गायब हो जाता है, तो कोई जगह धरती पर है, जहां कई बार एलियंस के उड़न तश्तरी को देखे जाने का दावा किया जाता रहा है। इनमें से दुनिया के नक्शे पर कुछ ऐसी विचित्र जगहें भी मौजूद हैं, जहां का भूगोल और वहां रहने वाले लोगों का जीवन किसी काल्पनिक डरावनी फिल्म की पटकथा जैसा प्रतीत होता है। इन्ही में से एक है चीन के शिचुआन प्रांत का एक सुदूर और छोटा सा गांव 'यांग्सी' (Yangsi), जिसे आज पूरी दुनिया 'सबसे शापित गांव' या 'बौनों का गांव' के नाम से जानती है। सुनकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि यहां पिछले छह दशकों से कुदरत का एक ऐसा खौफनाक करिश्मा जारी है, जिसने शोधकर्ताओं की रातों की नींद उड़ा दी है।

इस गांव की सबसे अजीब बात यह है कि यहां रहने वाली 50 प्रतिशत से अधिक आबादी का कद मात्र 2 से 3 फीट के बीच सिमट कर रह गया है। . रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 1951 के बाद से इस गांव में बच्चों के शारीरिक विकास पर जैसे किसी ने रोक लगा दिया हो। बच्चे जन्म के समय पूरी तरह सामान्य और स्वस्थ पैदा होते हैं। वे जैसे ही 5 से 7 साल की उम्र के पड़ाव पर पहुंचते हैं, उनकी लंबाई बढ़ना अचानक बंद हो जाती है। हाल ही में एक डॉक्यूमेंट्री रिपोर्ट में एक्सपर्ट्स ने दावा किया है कि उन्होंने यहां की मिट्टी, पानी, हवा और यहां तक कि स्थानीय स्तर पर उगाए जाने वाले अनाज के हर एक कण की दोबारा गहन जांच की है, लेकिन कद छोटा रह जाने का कोई भी ठोस, तार्किक या चिकित्सकीय कारण सामने नहीं आ सका।

कुछ स्थानीय बुजुर्ग और ग्रामीण इसे दशकों पुराना एक खौफनाक 'श्राप' मानते हैं। लोक कथाओं के अनुसार, पूर्वजों को गलत नक्षत्रों में दफनाने या किसी दिव्य शक्ति के क्रोध के कारण गांव पर यह विपत्ति आई है.। वहीं, दूसरी ओर कुछ इतिहासकार इसे दशकों पहले युद्ध के दौरान जापान द्वारा छोड़ी गई किसी जहरीली गैस या रासायनिक प्रयोग का दुष्प्रभाव बताते हैं, जिसने शायद यहां के लोगों के डीएनए के साथ छेड़छाड़ कर दी हो। 1950 के दशक के आसपास इस इलाके में एक रहस्यमयी बीमारी फैली थी, जिसके बाद से नई पीढ़ी का कद बढ़ना लगभग रुक गया। विशेषज्ञों ने इस सामूहिक बौनेपन को 'स्टंटेड ग्रोथ' का नाम तो दिया, लेकिन यह रहस्य आज भी कायम है कि यह समस्या सिर्फ इसी गांव की सरहदों के भीतर ही क्यों कैद है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में जेनेटिक म्यूटेशन के आधुनिक पहलुओं से जांच शुरू की है, लेकिन 60 साल पुरानी इस गुत्थी को वो भी अब तक सुलझा नहीं पाए।

न्यूज विंडो

स्वास्थ्य शिविर में 107 अधिकारियों-कर्मचारियों ने कराया परीक्षण

नर्मदापुरम। जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं मार्गदर्शन शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य कर्मियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें उचित सलाह देना था।शिविर से पूर्व,कलेक्टर एवं सोसाइटी अध्यक्ष सोनिया मीना की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें गतिविधियों पर चर्चा हुई। बैठक में मध्य प्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, एडीएम राजीव रंजन पांडे, अपर कलेक्टर अनिल जैन व बृजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर सरोज परिहार, सोसाइटी सचिव हर्षल काबरे, सभापति अरुण शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. आर. महेश्वरी सहित कई अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।कलेक्टर सोनिया मीना ने संबोधन में कहा कि सोसाइटी पहले भी स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान व मार्गदर्शन शिविर चला चुकी है। नवगठित सोसाइटी ऊर्जावान है और विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर जनता को लाभ पहुंचा रही है। बड़े अस्पतालों से टाई-अप कर विशेष जांच भी हो रही हैं। यह शिविर इसी श्रृंखला की शुरुआत है।उन्होंने मोबाइल उपयोग से बढ़ते मानसिक तनाव पर चिंता जताई और अनुशासित जीवनशैली, योग, प्राणायाम व संतुलित आहार की सलाह दी। आर्ट ऑफ लिविंग के आनंद ने तनाव प्रबंधन पर जानकारी दी। बच्चों के मानसिक अवसाद पर चर्चा हुई, जिसमें अभिभावक काउंसलिंग व मार्गदर्शन पर जोर दिया गया।कलेक्टर ने स्वयं जांच कर शिविर का शुभारंभ किया।

नपा ने पुराना बस स्टैंड पर की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई

सिरोंज। अतिक्रमण को लेकर नगर पालिका का अमला गुरूवार को एक बार फिर एक्टीव होता दिखाई दिया। दोपहर में नपा का अतिक्रमण विरोधी अमला एक बार फिर पुराना बस स्टैंड का अवैध कब्जा हटाने के लिए पहुंचा। अमले के साथ जेसीबी मशीन भी थी। जैसे ही मशीन को दुकानदारों ने देखा तो उन्होंने खुद ही अपना अवैध कब्जा हटाना शुरू कर दिया। शाम तक चली इस कार्रवाई के दौरान इस क्षेत्र की अनेक गुमठियों को दुकानदारों ने हटा लिया। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई शहर के हर इलाके में की जा रही है। कब्जेधारी खुद ही अपना कब्जा हटा लें तो बेहतर है। अन्यथा नपा अमला खुद उनका अवैध कब्जा हटा देगा।

रघुवंशी समाज ले लिया सामूहिक संकल्प, अब मृत्यु भोज होगा सीमित

गंजबासौदा। बरेठ रोड स्थित रघुवंशी धर्मशाला में दोपहर को आयोजित हुई बैठक में नगर सहित ग्रामीण अंचलों से आए समाज ने सामूहिक रूप से शपथ लेकर यह संकल्प लिया कि अब समाज जन सामाजिक परंपराओं में सुधार करते हुए धीरे-धीरे मृत्यु भोज को बड़े रूप में ना लेकर परिवारजन, निकटतम रिश्तेदार और ब्राह्मणों तक ही सीमित रखेंगे। इसके अलावा बैठक में अन्य मुद्दों के अलावा विवाह समारोहों में प्री-वेडिंग शूटिंग जैसी फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का भी एकमत से समर्थन किया गया। समाजजनों ने कहा कि ऐसे चलन समाज पर आर्थिक बोझ बढ़ाते हैं और इन्हें त्यागना समय की मांग है। बैठक में हाल ही में विधायक हरिसिंह रघुवंशी द्वारा अपनी माताजी के निधन के पश्चात मृत्यु भोज को केवल ब्राह्मण, परिवारजनों एवं निकटतम रिश्तेदारों तक सीमित रखने क़के निर्णय को समाज सुधार की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण का स्वागत किया। समाजजनों ने इसे सामाजिक दिखावे के खिलाफ एक सकारात्मक संदेश देने वाला साहसिक कदम बताया। बैठक में अनेक बंधुओ ने समाज सुधार को लेकर अपने-अपने सुझाव समाज जनों के बीच रखे। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ समाजजनों ने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को समाज सुधार और संगठन सशक्तिकरण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। अंत में समाज के वरिष्ठ जनों ने सभी स्वजातीय बंधुओं से समाजहित में लिए गए इन निर्णयों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज सुधार की इस मुहिम को सफल बनाने की अपील की।

विश्व हिन्दू परिषद की जिला बैठक में प्रतियोगिता को लेकर की चर्चा

गंजबासौदा। विश्व हिन्दू परिषद की जिला बैठक संगठन के जिला कार्यालय अशोक भवन में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रांत मंत्री नवल भदौरिया ने संगठन में कार्यकर्ता की भूमिका और कार्यपद्धति के विषय में बताया उन्होंने कहा कि कलियुग में संगठन में शक्ति है इसलिए हमें आदर्श संगठन खड़ा करना है जो समाज हित में कार्य करें। प्रांत सह संयोजक लोकेन्द्र मालवीय ने पूर्व कार्यों की समीक्षा की एवं बजरंग दल की कबड्डी प्रतियोगिता के विषय में बताया। विभाग मंत्री दौलत लौंगवानी ने संगठन के आगामी कार्यक्रम से अवगत कराया और उनकी रूपरेखा तय की। बैठक में विभाग समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना, विभाग विशेष संपर्क प्रमुख नितिन सक्सेना, विभाग मातृशक्ति संयोजिका ज्योति वर्मा, जिला सह मंत्री द्वय सुरेंद्र श्रीवास्तव एवं सत्यम दुबे बावली, जिला सह संयोजक द्वय अन्नू यादव एवं भजन प्रजापति, मातृशक्ति जिला संयोजिका स्वदेश छावड़ा, जिला अर्चक पुरोहित प्रमुख विनोद शर्मा, जिला सेवा प्रमुख झगडू महाराज, जिला सह समरसता प्रमुख बसंती लाल कुशवाहा, जिला धर्म यात्रा प्रमुख ब्रजेश कुशवाहा, जिला गौरक्षा प्रमुख रविन्द्र ठाकुर, जिला विद्यार्थी प्रमुख लालचंद्र कुशवाहा समेत सभी प्रखंड से अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नगर में स्कूटी से हो रही तस्करी, ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़ा

इटारसी-नर्मदापुरम में अवैध शराब का कारोबार जोरों पर, जिम्मेदार मौन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के इटारसी से नर्मदापुरम के बीच अवैध शराब का परिवहन दिन-प्रतिदिन तेजी पकड़ रहा है। गत दिनों विधानसभा में अबैध शराब का मुद्दा गूंज चुका है इस मुद्दे पर क्षेत्रीय विधायक सवाल उठा चुके है, लेकिन जिले में तैनात आबकारी विभाग का अमला इस गूंज से बिल्कुल अनजान बना हुआ है। या यूं कहे कि जिम्मेदार अधिकारी कुम्भकर्ण की तरह गहरी नींद में सोने का नाटक कर रहे हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों से रोजाना अवैध शराब का परिवहन हो रहा है अभी तक अबैध शराब के परिवहन को लेकर आबकारी विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस मुहिम या चेकिंग अभियान नहीं चलाया गया, जिससे अवैध कारोबारियों का हौसला बुलंद होता जा रहा है।

रात मोथिया साकेत क्षेत्र में एक स्कूटी सवार ने तेज रफ्तार से एक ग्रामीण को टक्कर मार दी। हादसे के दौरान स्कूटी सवार खुद सड़क पर गिर पड़ा, और स्कूटी में छिपी बोरी खुल गई। बोरी से दर्जनों शराब के क्वार्टर सड़क पर बिखर गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्कूटी सवार को पकड़ लिया और मोबाइल फोन से पूरा वीडियो बना लिया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि बोरी में शराब के क्वार्टर ठूंस-ठूंसकर भरे हुए थे, युवक इटारसी की ओर से आ रहा था। ग्रामीणों ने आरोपी को इटारसी पुलिस के हवाले कर दिया,पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया। लेकिन फिर वही सवाल कि आबकारी अमला अबैध शराब ढोने बालो पर शिकजा क्यों नही

कस रहा है आबकारी विभाग सिर्फ और सिर्फ कच्ची शराब, महुआ लाहन और अन्य छोटे मामलों मे कार्रवाही कर शासकीय कागजों पर अपने आकड़ो कि बाजीगरी से सक्रियता से दर्ज करता रहता है लेकिन जमीनी स्तर पर कार्रवाही जीरो है।

रोजाना हो रहा परिवहन, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं

सूत्रों का कहना है कि इटारसी से नर्मदापुरम तक स्कूटी, बाइक और छोटे वाहनों से अवैध शराब का परिवहन रोजाना होता है। ग्रामीण इलाकों की टूटी-फूटी सड़कों से होकर ये कारोबारी शहरों तक शराब पहुंचाते हैं, लेकिन आबकारी अमला कहीं नजर नहीं आता। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, 5रात के अंधेरा हो या दिन का उजाला ये लोग खुलेआम घूमते हैं, लेकिन अधिकारी चुप्पी साधे हैं।5 ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जहां ग्रामीणों को ही आगे बढ़कर कार्रवाई करनी पड़ रही है। इधर जिला आबकारी अधिकारी की तैनाती को लम्बा समय हो चुका है, लेकिन उनकी निष्क्रियता जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल ही में जिले के पालक एवं प्रभारी मंत्री की प्रेस वार्ता में भी आबकारी विभाग की लापरवाही पर सवाल उठे थे। मंत्री ने साफ कहा था कि अवैध शराब पर सख्ती बरती जाएगी, लेकिन जमीन पर कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा। अब सवाल ये है कि अब भी आबकारी अमला कार्रवाई करेगा या फिर यह धंधा यूं ही जारी रहेगा?

भगवान राम पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले युवक पर रासुका लगाने की मांग

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भगवान राम के विरूद्ध की गई टिप्पणी करने वाले युवक के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की मांग को लेकर अभिभाषक संघ ने ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल को संबोधित इस ज्ञापन में अभिभाषक संघ ने बताया कि पुराना बस स्टैंड पर 3 जनवरी को आयोजित सभा में शामिल वक्ता दीपक बौद्ध ने भगवान राम को लेकर अशोभनीय बाते कहीं हैं। वो उनके ओछेपन को तो दिखाता ही है जातिय द्वेष, सामाजिक वैमनस्यता और धार्मिक असहिष्णुता को बढ़ावा देता है। यह एक अत्यंत गंभीर विषय है और इसे हल्के में लेने की तनिक भी भूल नहीं करना चाहिए। ज्ञापन में अभिभाषक संघ ने इस मामले में आयोजन समिति और भगवान राम पर टिप्पणी करने वाले वक्ता के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई कर उसे गिरफतार कर कारगार में भेजने की मांग की गई है। संघ के अध्यक्ष कपिल त्यागी ने कहा कि भारत देश की कल्पना भगवान राम के बिना शून्य है। श्री राम सनातन धर्म की आत्मा है और करोड़ो सनातनियों के जीवन का अंतिम लक्ष्य है। सनातनियों की हर सांस में राम बसे हैं। कोई भी व्यक्ति श्री राम के विरूद्ध निंदनीय शब्द का प्रयोग करता है तो वह हम जैसे करोड़ो सनातनियों की आत्मा पर प्रहार करने जैसा है। जो तनिक भी क्षमा के योग्य नहीं हैं। ज्ञापन देने वालों में अभिभाषक संघ के अध्यक्ष कपिल त्यागी, हेमेन्द्र श्रीवास्तव, अशोक शर्मा और आशीष भृगू के साथ ही अभिभाषक संघ के अन्य सदस्य शामिल हैं।

विधायक ने की जनता से अपील सुरक्षित जिला बनाने में सहयोग करें

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा ने जनता से सजग प्रहरी अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की है। एसपी साईं कृष्णा द्वारा शुरू किए गए इस अभियान के तहत पुलिस को घर खाली

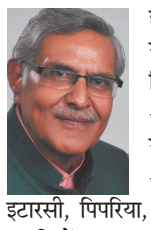

होने की सूचना देने पर अपराध रोकथाम सुनिश्चित होगी। विधायक डॉ. शर्मा ने कहा कि यदि कोई आवश्यक कार्य, यात्रा या अन्य कारण से घर छोड़ रहे हैं, तो तुरंत नर्मदापुरम पुलिस को सूचित करें। पुलिस के अनुसार यह व्यवस्था नर्मदापुरम शहर, इटारसी, पिपरिया, सोहागपुर एवं सिवनी मालवा के सभी नागरिकों पर लागू है। सूचना गोपनीय रहेगी और आसपास पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी।पुलिस ने नई सुविधा भी शुरू की है, जिसमें अधिकृत वेंडर के जरिए सूने घरों पर अस्थायी सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा सकेंगे। संपर्क नंबर उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि घर की सुरक्षा मजबूत हो। विधायक ने जोर देकर कहा आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। पुलिस को सूचना देकर निश्चिंत यात्रा करें और सजग प्रहरी बनें।

शिकायतों के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सप्ताह मे एक दिन नगर पालिका मे आयोजित होने बाली जनसुनवाई में गुरुवार को नपा अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित शाखाओं को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान पार्षद राहुल गौर, पार्षद प्रतिनिधि पूनम मेषकर, उपयंत्री अंबक पाराशर, दीक्षा तिवारी, रीना गुप्ता, आयुषी रिछारिया सहित नगरपालिका स्टाफ मौजूद रहा।कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर शुरू हुई यह जनसुनवाई नागरिकों की परेशानियों का तेजी से निपटारा कर रही है गुरुवार को जनसुनवाई में वार्ड, मोहल्ला और पट्टा संबंधी कई शिकायतें पहुंचीं। वार्ड 32 ग्वालटोली के निवासी दिनेश, संतोष और आरव श्रीवास ने नाली निर्माण के लिए आवेदन दिया, जिस पर

उपयंत्री को तत्काल कार्रवाई के आदेश जारी हुए। वार्ड 23 सांई बिहार कालोनी में सड़क निर्माण की मांग उठी। वहीं, वार्ड 8 की युवती पायल ने राशन कार्ड से नाम हटाने का अनुरोध किया। संजय नगर के एक निवासी ने पीएम आवास योजना के तहत मकान स्वीकृति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने सभी उपयंत्रियों और शाखा प्रभारियों को आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

जुआ फड़ से पांच जुआरी किए गिरफ्तार

63 हजार से अधिक की नकदी बरामद, पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने जुए और सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल की है। थाना क्षेत्र के मेहतवाड़ा में पेट्रोल पंप के सामने एक खेत में चल रहे जुआ फड़ पर पुलिस ने अचानक दबिश दी। इस कार्रवाई में पुलिस ने 5 आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ते हुए उनके पास से हजारों रुपए की नकदी और ताश की पत्तियां बरामद की हैं।

थाना प्रभारी जगदीश गोयल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मेहतवाड़ा स्थित पेट्रोल पंप के सामने एक खेत में कुछ लोग बड़े पैमाने पर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक करने के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से खेत की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही जुआरियों ने भागने का प्रयास किया,

लेकिन मुस्तैद जवानों ने घेरा डालकर सभी को दबोच लिया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान समीर पिता सलीम खान उम्र 32 वर्ष निवासी मोमिनपुरा महेश्वर , सुनील पिता जगदीश उम्र 42 वर्ष निवासी पवित्र नगर महेश्वर , कमल पिता भीमराव अमोलकर उम्र 33 वर्ष निवासी जूना बाजार महेश्वर , मोहसिन पिता दिलावर खान निवासी बालसमंद थाना कसरावद और इमरान पिता अब्दुल रहमान उम्र 33 वर्ष निवासी मोमिनपुरा महेश्वर के रूप में हुई है।

पुलिस ने मौके से 63,040 नगद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। थाना प्रभारी गोयल के अनुसार, सभी आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

शिकायतः बीएलओ निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कर रहे उल्लंघन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मतदाता विशेष पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ स्तर पर निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य नहीं होने की शिकायत क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने जिला निर्वाचन अधिकारी से की है। इस संबंध में विधायक उमाकांत शर्मा, पूर्व जनपद अध्यक्ष हमीरसिंह यादव, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष चौरे, पूर्व मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह तथा चितावर मंडल महामंत्री लाखनसिंह यादव ने एक पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपा है। जिसमें बताया गया है कि बीएलओ द्वारा फार्म 6 (नाम जोड़ना), फार्म 7 (नाम विलोपन) और फार्म 8 (सुधार अथवा संशोधन) को ऑफलाइन प्राप्त के बाद उन्हें ऑनलाइन प्रणाली में दर्ज नहीं किया जा रहा। जिससे आवेदनों का निराकरण लंबित हो रहा है। कई मतदान केन्द्रों पर बीएलओ ड्युटी पर नहीं रहते जिससे मतदाता परेशान होते हैं तथा अनेक मतदान केन्द्रों पर बीएलओ का कार्य संतोषजनक नहीं है। वे फार्म स्वीकार करने में अनावश्यक टाल मटोल करते हैं। ऑफलाइन आवेदन की स्थिति में मतदाताओं को किसी भी तरह की पावती या संदर्भ संख्या नहीं दी जा रही। वहीं ऑनलाइन आवेदन में भी ओटीपी देरी से प्राप्त हो रही है। जिससे लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में बीएलओ की कार्यशैली में सुधार करने तथा मतदान केन्द्र पर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग के साथ ही एसआईआर में त्रुटियां मिलने पर स्थानीय बीएलओ, निर्वाचन अधिकारी, तहसीलदार और एसडीएम को उत्तरदायी बनाए जाने की बात भी कही गई है।

मेट्रो एंकर घटेरा में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

हिंदू जब संगठित होता है तब समाज, संस्कृति और सुरक्षा तीनों सशक्त होते हैं

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

हिंदू समाज राष्ट्र निर्माण की आत्मा और चेतना का मूल आधार है। सनातन संस्कृति ने सदैव त्याग, तप, सेवा और समरसता के मूल्यों से राष्ट्र को दिशा दी है। राष्ट्र केवल भू-भाग नहीं, बल्कि साझा संस्कार, संस्कृति और कर्तव्यों का जीवंत स्वरूप है। हिंदू जब संगठित होता है, तब समाज, संस्कृति और सुरक्षा तीनों सशक्त होते हैं। यह बात सकल हिन्दू समाज घटेरा मंडल के तत्वावधान में घटेरा में आयोजित हुए विशाल हिन्दू सम्मेलन सम्मेलन के मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक राकेश परमार ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

घटेरा में हिंदू सम्मेलन भव्यता, अनुशासन और वैचारिक ऊर्जा के साथ सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में हजारों हिन्दू समाज जन उपस्थित रहे, जिससे पूरा क्षेत्र धर्म, संस्कृति और राष्ट्रभाव के रंग में रंगा नजर आया। सम्मेलन की गरिमा को संत समाज

की उपस्थिति ने और भी ऊंचाई प्रदान की। इस अवसर पर गुरु गादी घटेरा के महंत 1008 महामंडलेश्वर रामदास महाराज, 1008 महामंडलेश्वर बालक दास महाराज महंत (नूरपुर धाम) तथा महंत 108 श्री परशुराम दास महाराज (मूडरी धाम) सहित अनेक संत-महात्माओं ने मंच की शोभा बढ़ाई। संतों के सान्निध्य में आयोजित इस सम्मेलन में धर्म, संस्कृति और समाज के संरक्षण का संदेश दिया गया।जिला प्रचारक श्री परमार ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में भारत के गौरवशाली इतिहास, भारत के पुनः विश्वगुरु बनने की यात्रा तथा पंच परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार रखें। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में निहित है। यदि समाज पंच परिवर्तन व्यक्तिगत जीवन में अनुशासन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी भाव, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य–को अपनाता है, तो भारत को पुनः विश्व में सर्वोच्च स्थान दिलाया जा सकता है। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने हिन्दू समाज को संगठित रहने, संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। सभी स्थानों पर हिन्दू समाज ने एकजुट होकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, संस्कारवान समाज निर्माण और राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। समापन अवसर पर आयोजकों ने सभी संतों, वक्ताओं, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे वैचारिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

न्यूज विंडो

नगर के घने इलाके रामपुरा स्थित पुराने कोल्ड स्टोर में लगी आग

सागर। नगर के बीचोंबीच घने इलाके रामपुरा वार्ड के एक पुराने कोल्ड स्टोर में रात में आग लग गई। आग की खबर से इलाके में अफरातफरी मच गई। आग की लप तेज मौके पर पहुंची नगर निगम और मकरोनिया नगर पालिका की दमकलों से रात करीब बजे आग पर काबू पाया। इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति रही। आग की लपटें दूर-दूर से दिखाई दे रही थीं। संकरी गलियों की वजह से बड़ी दमकल अंदर तक नहीं जा पाईं। इसके बाद छोटी दमकल भेजकर आग पर काबू पाया. आग बुझाने में 6 दमकल पानी लग चुका था। नगर निगम के दमकल विभाग प्रभारी सईद्दीन कुरैशी ने बताया कि 3 हजार लीटर की तीन दमकल अंदर तक पहुंच गई थी। आग पर काबू पा लिया है। बताया जा रहा है कि कोल्ड स्टोर पुरानी सागौन की लकड़ी से बना था। आग से कीमती सागौन के अलावा कोल्ड स्टोर में रखा कबाड़ जल गया है। नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री ने बताया कि कुछ देर पहले आसपास आतिशबाजी भी हुई थी। कोल्ड स्टोर में लकड़ी थी। हालांकि जांच में ही आग लगने का सही कारण पता चल पाएगा।

अनियंत्रित ट्राला रैलिंग तोड़कर ब्रिज से 60 फीट नीचे गिरा

धार। राऊ- खलघाट फोरलेन के गणपति घाट कि नई सड़क के ब्रिज पर रात को एक बड़ा हादसा होते हुए टल गया। ट्राला अनियंत्रित होकर, रैलिंग तोड़ 60 फिट निचे जा गिरा। हादसें में परीचालक को कुदने में चोट आई। जिसे टोल एम्बुलेंस कि मदद से उपचार के लिए धामनोद अस्पताल भेजा गया। इधर चालक की जानकारी अभी तक नहीं मिली हैं, ट्राला में रखी बोरियां जमीन पर बिखर गई। आशंका जताई जा रही हैं, कि चालक वाहन में अंदर की और दबा हो सकता है। ऐसे में बोरियां सहित ट्राले को हटाने के लिए मजदूरों को बुलाया गया हैं, ताकि चालक के बारे में जानकारी स्पष्ट हो सके। जानकारी अनुसार इंदौर कि तरफ से आकर गणपति घाट उतर रहा ट्राला ब्रिज के मोड़ पर अनियंत्रित होकर रैलिंग तोड़ते हुए करीब 60 फिट निचे जा गिरा। हादसे में ट्राला बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसें में परीचालक गौरव उर्फ मुकेश लोहारी कुश्ती निवासी चलतें वाहन से कुदने के दोरान घायल हो गया। कुदने के दोरान, सड़क पर बेहोश हो गया। वही वाहन में ड्राइवर मुकेश भी सवार था, जिसका पता नहीं चला। काकड़दा पुलिस कि मदद से परीचालक को धामनोद अस्पताल भेजा गया। ट्राला जहां पर गिरा वहां पर डीपी भी लगी हुई थी। गनीमत रही की 20 फीट दूर ट्राला गिर गया नहीं तो डीपी ट्रांसफार्मर पर गिरता तो बड़ा हादसा हो जाता।

बंडा क्षेत्र से बड़ी मात्रा में कच्ची शराब एवं महुआ लहान जब्त

सागर। आबकारी विभाग ने बंडा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में कच्ची शराब जब्त की है। शराब की कीमत साढ़े चार लाख रुपये से ज्यादा आंकी गई है। कुछ शराब मौके पर ही नष्ट की गई है। जानकारी के अनुसार सहायक आयुक्त आबकारी कीर्ति दुबे के निर्देशन एवं सहा ज़िला आबकारी अधिकारी अशोक दवे के नेतृत्व में बंडा क्षेत्रांतर्गत सामूहिक रूप से आबकारी विभाग द्वारा कच्ची मदिरा निर्माण के अवैध अड्डों पर कार्रवाई की गई। जिसमें थाना शाहगढ क्षेत्रांतर्गत 4 विभिन्न स्थलों में हीरापुर से तिगोड़ा के बीच जंगल से 21 लीटर हाथ भट्टी निर्मित कच्ची मदिरा एवं 450 किलो महुआ लहान, ग्राम अमरमऊ में 51 कुप्पो में लगभग 510 किलो महुआ लहान, ग्राम अमरमऊ नहर किनारे से लगभग 300 किलो महुआ लहान, वार्ड क्रमांक 15-340 कुप्पो में लगभग 3400 किलो महुआ लहान बरामद किया। आरोपियों के खिलाफ प्रकरण कायम कर विवेचना मे लिया गया है। लहान का सैंपल लिया जाकर शेष लहान मौके पर नष्ट किया गया। कुल जप्त मदिरा एवं महुआ लहान की कुल अनुमानित मूल्य 4,70,200 रुपए आंकी गई है।

भगवत प्राप्ति के लिए श्रद्धा और विश्वास जरूरी है: व्यास

सागर। पवित्र माघ माह में संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन बड़ा बाजार स्थित श्री राम बाग मंदिर में गुरुवार से आरंभ हुई। कथा के पूर्व कलश यात्रा निकाली गई जो श्री देव अटल बिहारी जी मंदिर,महाकाली मंदिर,बाईसा मुहल्ला होते हुए राम बाग मंदिर पहुंची। कथा व्यास पं. मनोज व्यास ने श्रीराम कथा सुनाते हुए कहा कि जो भी हमें जीवन में मिला है वह ठाकुर जी की कृपा से मिला है। ठाकुर जी से जुड़ने पर कष्ट आते हैं लेकिन वे जल्द ही निकल जाते हैं। यहीं से भक्तों पर भगवत कृपा आरंभ हो जाती है। उन्होंने जना बाई की कहानी सुनाते हुए कहा कि जब जड़ वस्तु से भगवान का नाम सुनाई देने लगे वही भक्ति की महिमा है। उन्होंने कहा कि भगवान स्वयं की सेवा से शीघ्र प्रसन्न नहीं होते जितना शीघ्र उनके भक्त की सेवा से प्रसन्न होते हैं। जहां ठाकुर जी का कीर्तन होता है वहां प्रभु बिराजमान होते हैं। भगवत प्राप्ति के लिए श्रद्धा और विश्वास जरूरी है,यदि आपके पास अच्छी वाणी है लेकिन बुद्धी नहीं है तो उस वाणी का कोई अर्थ नहीं। इसलिए श्री रामचरित मानस के आरंभ में बुद्धी के देवता श्री गणेश और वाणी की देवी मां सरस्वती की प्रार्थना की गई है। कथा के यजमान वीरेंद्र सुहाने, हेमंत सोनी आदि हैं। आज अनेक श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया। कथा का आयोजन प्रति दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के खुरई में प्रस्तावित दौरे को लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की

रोड शो और आमसभा को सफल बनाने विधायक ने की तैयारियों की मॉनिटरिंग

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खुरई में प्रस्तावित आगमन पर रोड शो एवं आमसभा की तैयारियों की समीक्षा को लेकर पूर्व गृहमंत्री एवं खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के साथ संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी, पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना, कलेक्टर संदीप जी.आर. एवं पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल ने अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर विधायक भूपेन्द्र सिंह लगातार समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मैराथन बैठकों के माध्यम से तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने खुरई के सभी व्यापारी संघों, स्कूल संचालकों एवं डाक्टर्स एसोसिएशन के साथ बैठकें कीं। इसके साथ ही वे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के परिवारों से संपर्क कर कार्यक्रम में सहभागिता हेतु आमंत्रित कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध, सुव्यवस्थित और समन्वय के साथ पूरी की जाएं। आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। खुरई ने हमेशा संगठन, अनुशासन और सहभागिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है और इस बार भी खुरई प्रदेश के सामने एक आदर्श आयोजन प्रस्तुत करेगा। कार्यक्रम केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि खुरई के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों से आग्रह किया कि वे पूर्ण जिम्मेदारी और उत्साह के साथ आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि खुरई में विकास की सबसे ज्यादा संभावना है। अब हमारे पास पर्याप्त पानी है, पर्याप्त बिजली है। चारों तरफ सड़कों का नेटवर्क है। ओवर ब्रिज भी लगभग सभी तैयार हैं। यह स्थिति औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल है। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव जी के आगमन से इन सभी परिस्थितियों से औद्योगिक विकास के मार्ग खुलेंगे।

एएसआई से किया था विवाद

पूर्व पार्षद व भाजपा नेता सन्नी सहित चार पर केस

धार। दोपहर मेट्रो

नगर में पूर्व पार्षद व भाजपा नेता सन्नी उर्फ विशाल पिता रमेशचंद्र राठौर के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का प्रकरण दर्ज हुआ है। भाजपा नेता राठौर पर आरोप हैं कि वाहन चैंकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों से विवाद किया था। एएसआई ने समझाने की कोशिश की तो भाजपा नेता ने गालियां देना शुरु कर दिया था। इधर विवाद की सूचना मिलने पर थाने से पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया था। पुलिस ने अब आगामी कार्रवाई करते हुए प्रकरण की विवेचना शुरु कर दी है। दरअसल नए साल की शुरुआत से ही पुलिस द्वारा वाहनों की चैकिंग को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कडी में शहर के मोहन टॉकिज चौराहे पर एएसआई नानुराम हरवाल सहित एसएएफ के जवान चैकिंग कर रहे थे। रात करीब 10-30 बजे भाजपा नेता विशाल राठौर सहित तीन युवक बाइक से जा रहे थे, पुलिस ने तीन सवारी होने के कारण बाइक को रोका व दस्तावेज दिखाने की बात कही। बाइक सवार चालक ने हैलमेट का उपयोग भी नहीं किया था, जिसके कारण चालानी कार्रवाई की बात पुलिस अधिकारी ने कही। इसी बात पर नाराज होकर भाजपा नेता राठौर ने बहस शुरू कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में विशाल राठौर, सोहेल, अमना खान व मुसा के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान के अनुसार चैकिंग के दौरान शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने को लेकर पुलिस ने कार्रवाई की हैं, प्रकरण की जांच चल रही है।

कलेक्टर ने पटवारी को किया निलंबित

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर ने कार्रवाई करते हुए प्रकारणों को लंबित रखने, समय सीमा में कार्य न करने एवं हल्का में समय से उपस्थित न होने पर पटवारी सुनील सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। बता दें कि कलेक्टर द्वारा प्रशासन के बेहतर संचालन एवं प्रशासन तक आमजन की सुलभ पहुंच के लिए आपका प्रशासन आपके द्वारा कार्यक्रम शुरू किया गया हैं जिसके तहत विकासखंड स्तर पर जनसुनवाई की जा रही है। इसी क्रम में जनसुनवाई शिविर केसली में कलेक्टर संदीप जी आर के समक्ष ग्राम ढेंचुआ के कृषकों द्वारा पट्टे में प्राप्त भूमि के नक्शा तरमीम, सीमांकन, कब्जों के संबंध में शिकायतें एवं पटवारी हल्के में समय से उपस्थित न होने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई है, जिसके संबंध में संबंधित पटवारी सुनील सोनी द्वारा समक्ष में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस पर पटवारी सुनील सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

जनप्रतिनिधियों ने प्रक्रिया और कार्यशैली पर उठाए गंभीर सवाल

कोतमा/अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के रक्सा-कोलमी क्षेत्र में प्रस्तावित न्यू ज़ोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टोरंट पावर लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी) के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट को लेकर आयोजित पर्यावरण संरक्षण जनसुनवाई बुधवार को शांतिपूर्ण किंतु मिली-जुली प्रतिक्रिया के साथ सम्पन्न हुई। यह जनसुनवाई ग्राम रक्सा स्थित खेल मैदान में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहडोल के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, किसानों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। जनसुनवाई के दौरान 15 सितंबर 1973 के बाणसागर समझौते का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने सवाल उठाया कि सोन नदी के सीमांत क्षेत्रों के लिए निर्धारित 20 प्रतिशत सुरक्षित जल प्रावधान के बावजूद यदि प्रस्तावित पावर प्लांट द्वारा प्रतिदिन 72,456 किलोलीटर जल का दोहन किया जाता है, तो यह जल बंटवारे की मूल भावना के अनुरूप कैसे होगा। साथ ही यह भी पूछा गया कि ग्रीष्मकाल में जलस्तर गिरने की स्थिति में जल दोहन को नियंत्रित करने की क्या ठोस व्यवस्था प्रस्तावित है। ग्रामीणों और किसानों ने प्रतिवर्ष उत्पन्न होने वाली फ्लाई ऐश की मात्रा, उसके सुरक्षित निपटान, उपयोग की स्पष्ट कार्ययोजना, भूजल एवं कृषि भूमि पर संभावित प्रभाव तथा परिवहन के दौरान उड़ने वाली धूल को रोकने के स्थायी उपायों को लेकर कड़े प्रश्न रखे। रोजगार, किसान और स्थानीय हित भूमि, जल और पर्यावरण से प्रभावित किसानों के लिए स्थायी रोजगार, स्थानीय युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण और प्राथमिकता से नौकरी, तथा कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन पर पड़ने वाले प्रभाव की भरपाई को लेकर भी सवाल उठे। पर्यावरणीय शर्तों के पालन की निगरानी व्यवस्था, पर्यावरणीय रिपोर्ट की सार्वजनिक उपलब्धता और भविष्य में किसी भी प्रकार की पर्यावरणीय क्षति की स्थिति में जवाबदेही किसकी होगी, इस पर भी स्पष्टता मांगी गई। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जहां जनसुनवाई में चार घंटे से अधिक समय तक सवाल और आपत्तियां रखी गईं, वहीं कंपनी अधिकारियों द्वारा मात्र 10 मिनट में औपचारिक जवाब देकर सभा के समापन की घोषणा कर दी गई। अंत में यह मांग भी प्रमुखता से रखी गई कि यदि भविष्य में पर्यावरण, जल स्रोत या स्थानीय जनजीवन को क्षति पहुंचती है, तो परियोजना को रोकने या संशोधित करने का लिखित आश्वासन कंपनी द्वारा दिया जाए। जनसुनवाई में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और प्रशासनिक संचालन संतुलित रहा, लेकिन कंपनी की जवाबदेही और प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर असंतोष भी सामने आया। ग्रामीणों की ओर से यह मिली-जुली राय उभरकर आई कि यदि प्रस्तावित न्यू ज़ोन-टोरंटो पावर प्रोजेक्ट पर्यावरणीय शर्तों, नियामकीय अनुपालन और स्थानीय सहभागिता के साथ आगे बढ़ता है, तभी इसे स्वीकार्य माना जा सकता है।

बाइक से अवैध शराब की सप्लाई कर रहे तस्करों पर कार्रवाई, पेटियां छोड़कर भागे

धार। दोपहर मेट्रो

धार। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध का परिवहन बाइकों के माध्यम से किया जा रहा हैं, सूचना मिलने पर कल देर रात नौगांव पुलिस टीम ने एक बाइक को जब्त किया है। फोरलेन मार्ग से ही पुलिस बाइक सवारों का पिछा कर रही थी। इस दौरान लबरावद रोड पर अज्ञात लोग बाइक सहित शराब की पेटियों को छोड़कर फरार हो गए। अब बाइक पर लिखे नंबर के आधार पर पुलिस ने आरटीओ विभाग से संपर्क किया हैं, ताकि वाहन मालिक के बारे मे जानकारी जुटाई जा सके।

थाना प्रभारी हीरुसिंह रावत ने बताया कि बाइक से शराब का परिवहन किया जा रहा था। रात के अंधेरे में पुलिस द्वारा पिछा करने पर घाटी तरफ बाइक छोड़कर दो युवक भाग गए। पुलिस ने अंग्रेजी ब्रांड की आठ पेटी, दस पेटी बीयर सहित दो पेटी देशी प्लेन को जब्त किया है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मप्र आबकारी एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरु की गई है। शराब सहित वाहन की कुल कीमत एक लाख 24 हजार रुपए हैं, आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर एक टीम गठित की गई है।

लोकसेवा केन्द्र संचालक पर 25 हजार का जुर्माना लगाया

सागर। दोपहर मेट्रो

निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली करने एवं कार्य समय सीमा में नहीं करने और लंबित रखने पर कलेक्टर संदीप जीआर ने लोक सेवा केन्द्र गढ़ाकोटा संचालक पर 25 हज़ार रुपये का जुर्माना किया है. जानकारी के अनुसार नागेन्द्र सिंह प्रो. नव प्रकाश मानव कल्याण समिति संचालक, लोक सेवा केन्द्र गढाकोटा पर कार्रवाई करते हुए 25000 रुपए का जुर्माना लगाया। कलेक्टर कार्यालय से जारी जुर्माना आदेश के अनुसार लोक सेवा केन्द्र गढ़ाकोटा संचालक ने शिकायतकर्ता निवासी ग्राम पिपरिया तहसील गढ़ाकोटा के जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए लोक सेवा गारंटी के तहत निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क की वसूली तथा आवेदन को भी 8 से 10 दिन लंबित रखा गया। उपरोक्त कृत्य लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है जिस पर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने लोक सेवा केन्द्र गढ़ाकोटा संचालक पर जुर्माना की कार्रवाई की साथ ही उक्त जुर्माना राशि का तीन दिनों में जमा करने का आदेश दिया गया। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई कि लोक सेवा केन्द्र पर पाई गई अनियमितताओं को तत्काल सही करते हुए केन्द्र का संचालन आर.एफ.पी. में वर्णित प्रावधानों के तहत करना सुनिश्चित करें। भविष्य में यदि लोक सेवा केन्द्र के संचालन में कमियां,अनियमिततायें पाई जाती है तो लोक सेवा केन्द्र गढाकोटा के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए अनुबंध समाप्ति की कार्यवाही की जाएगी।

मेट्रो एंकर

धनपुरी में अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट रोमांच के शिखर पर

क्वार्टर फाइनल में कपूरथला और मुंबई ने दर्ज की रोमांचक जीत

शहडोल। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद धनपुरी के तत्वावधान में सुभाष स्टेडियम क्रमांक 3 में आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट दर्शकों के लिए खेल, अनुशासन और रोमांच का शानदार संगम बनता जा रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से आई नामी टीमों के बीच खेले जा रहे मुकाबलों को देखने प्रतिदिन हजारों खेल प्रेमी मैदान पर पहुंच रहे हैं।

टूर्नामेंट के तहत 8 जनवरी को दो क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए। पहले मुकाबले में रेलवे कोच फैक्ट्री कपूरथला (पंजाब) ने एसटीएफसी जम्मू-कश्मीर को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि दूसरे मैच में बैंक ऑफ बड़ौदा मुंबई ने नेशनल फुटबॉल क्लब मऊ (इंदौर) को 2-0 से पराजित कर अंतिम चार में जगह बनाई।

पहले क्वार्टर फाइनल मैच के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा, प्रतिपक्ष नेता शोभाराम पटेल, सभापति भोला पनिका, नारायण जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विनीता जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि रहे। अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद राष्ट्रगान के साथ मैच की शुरुआत हुई। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन बेहतर तालमेल और रणनीति के चलते रेलवे कोच फैक्ट्री कपूरथला की टीम दर्शकों पर भारी पड़ी। कई अवसर मिलने के बाद कप्तान विपुल काला ने निर्णायक गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। जम्मू-कश्मीर की टीम अंत तक बराबरी नहीं कर सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मैच के दौरान जम्मू-कश्मीर टीम के कुछ खिलाड़ियों द्वारा रेफरी से बहस किए जाने पर दर्शकों ने नाराजगी जताई, वहीं कपूरथला के अनुशासित खेल की जमकर सराहना हुई।

दूसरे क्वार्टर फाइनल के मुख्य अतिथि भाजपा शहडोल जिला अध्यक्ष अमिता चपरा रहीं। उनके साथ भाजपा के कई पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मैदान पर मौजूद रहे। मैच की शुरुआत से ही बैंक ऑफ बड़ौदा मुंबई की टीम ने तेज और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। शानदार तालमेल और निरंतर दबाव के चलते टीम ने मऊ (इंदौर) को 2-0 से पराजित किया। बैंक ऑफ बड़ौदा मुंबई की ओर से रूनी डी सिल्वा ने पहला गोल किया। मऊ की टीम ने कई प्रयास किए, लेकिन गोल करने में असफल रही। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला 9 जनवरी को दोपहर 1:30 बजे साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे हेडक्वार्टर नागपुर एवं न्यू सपोर्टिंग सॉकर क्लब चर्चा के बीच खेला जाएगा। आयोजन समिति ने सभी खेल प्रेमियों से समय पर मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

टी20 से बाहर, टेस्ट पर सवाल

शुभमन गिल का 2026 उनके पूरे करियर के लिए ट्रायल का साल

नई दिल्ली। 2025 के दूसरे हिस्से तक आते-आते शुभमन गिल भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकते सितारों में शुमार हो चुके थे। इंग्लैंड के खिलाफ एक युवा कप्तान के तौर पर 754 रन, आईपीएल में 650 रनों वाला दमदार सीजन और इसके बाद दो फॉर्मेट में एशिया कप और चैम्पियंस ट्रॉफी जैसे खिताब... सब कुछ उनकी ओर इशारा कर रहा था कि भारत को भविष्य का सर्वकालिक टॉप-ऑर्डर बैटर और कप्तान मिल गया है। इसी अवधि में गिल को टेस्ट और वनडे टीम की कप्तानी दी गई और टी20 टीम में उप-कप्तान बनाकर स्पष्ट उत्तराधिकार योजना तैयार की जा रही थी। ...लेकिन जैसे ही कैलेंडर 2026 में दाखिल हुआ, माहौल बदल गया। वर्ष का अंत गिल ने चोट के बीच किया, भारत घरेलू टेस्ट सीरीज दक्षिण अफ्रीका से हार गया और सबसे महत्वपूर्ण झटका- टी20 फॉर्म में गिरावट के चलते गिल अपनी जगह खो बैठे। घर में होने वाले टी20 विश्व कप के सामने गिल का टी20 से बाहर होना एक ऐसा संकेत था, जिसने सवाल खड़े किए कि आखिर यह गिरावट कितनी गहरी है और इसका अर्थ क्या है।

फिलहाल खबर है कि तिलक वर्मा की सर्जरी हो गई है और उनकी टी20 वर्ल्ड कप में खेल पाना मुश्किल लग रहा है। ऐसे में टीम में एक जगह खाली हो रही है- तो क्या शुभमन गिल को शामिल किया जा सकता है? खैर, यह तो भविष्य के गर्भ में है। गिल के सामने असली चुनौती फॉर्म नहीं, बल्कि समय और अवसर हैं। यदि 2025 की तरह किसी बल्लेबाज को फॉर्म टेस्ट करने के लिए लगातार मैच न मिलें तो गिरावट से वापसी का रास्ता लंबा हो जाता है। प्रश्न यह है कि 2026 में गिल को अपनी क्षमता साबित करने के लिए पर्याप्त क्रिकेट मिलेगा भी या नहीं? वनडे क्रिकेट में तो स्थिति और चिंताजनक है। वनडे में गिल के रिकॉर्ड पर कोई बड़ी आलोचना नहीं, मगर यह सवाल जरूर उठता है कि क्या वे अपने आंकड़ों को उच्च दबाव के मुकाबलों में भी दोहरा पाएंगे? 2026 के लिए भारत के पास केवल 6 वनडे सीरीज निर्धारित हैं और हर सीरीज तीन-तीन मैचों की- यानी साल भर में केवल 18 मैच।

2026 के तीन सबसे कठोर परीक्षण

1। **इंग्लैंड दौरा (जुलाई):** इंग्लैंड दौरा हमेशा ही भारतीय बल्लेबाजों के लिए एक बेंचमार्क रहा है। 2025 की महान सीरीज के बाद यही देखने को मिलेगा कि क्या वह प्रदर्शन दोहराना किसी सिस्टम का हिस्सा था या केवल फॉर्म का शिखर।

2। **न्यूजीलैंड दौरा (वर्ष का अंत):** न्यूजीलैंड दौरों का फायदा यह है कि वे भारतीयों को अद्गह्यह्ल चुनौती देते हैं। 2026 में भारत का केवल चार टेस्ट मैचों का कैलेंडर तय है, जिसमें न्यूजीलैंड दौरा मुख्य है। गिल को इस अवधि में रन का पहाड़ खड़ा करना होगा- क्योंकि यही वह फॉर्मेट है जिसमें उनके नेतृत्व और बल्लेबाजी दोनों की परीक्षा होगी।

3। **आईपीएल के दौरान टी20 प्रासंगिकता:** अगर गिल टी20 इंटरनेशनल के लिए टीम में वापसी चाहते हैं, तो सिर्फ रन बनाना काफी नहीं होगा। उन्हें स्ट्राइक-रेट और इरादे दोनों दिखाने होंगे।

नए साल की पहली सीरीज का पहला मैच 11 जनवरी को वडोदरा में

7 सीरीज, 37 साल की अदावत....

भारत का अपने घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में कायम है गजब का महारिकॉर्ड

नई दिल्ली , एजेंसी

साल 2026 में टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत वनडे फॉर्मेट से करने जा रही है, जिसकी पहली सीरीज का पहला मैच 11 जनवरी से वडोदरा में है। खास बात यह है कि मुकाबले के लिए जिस कोटाम्बी स्टेडियम को चुना गया है, वहां पहली बार कोई पुरुष इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा। इससे पहले वडोदरा में मेजबानी रिलायंस स्टेडियम करता रहा है, लेकिन अब शहर को नई इंटरनेशनल क्रिकेटिंग पहचान मिलने वाली है।

दोनों देशों के बीच 50 ओवरों की द्विपक्षीय भिड़ंत का इतिहास दिसंबर 1988 से शुरू होता है। तब से लेकर अब तक कुल 7 बाइलेटरल वनडे सीरीज खेली जा चुकी हैं और मजे की बात यह कि हर बार नतीजा एक ही रहा- भारत विजेता, न्यूजीलैंड पराजित। यानी 37 साल में कीवी टीम भारत के खिलाफ एक भी बाइलेटरल वनडे सीरीज नहीं जीत पाई। न्यूजीलैंड की टीम पहली बार भारत की सरजमीं पर वनडे खेलने 1987 के वर्ल्ड कप के दौरान आई थी, लेकिन वह एक मल्टी-नेशन टूर्नामेंट था। असली द्विपक्षीय मुकाबला तो दिसंबर 1988 में शुरू हुआ, जब कीवी टीम पहली बार बाइलेटरल वनडे सीरीज के लिए भारत पहुंची। भारत ने 4 मैचों की उस सीरीज में न्यूजीलैंड को 4-0 से साफ बहा दिया और घरेलू दबदबे की शुरुआत वहीं से हुई।

2024 में भी भारत ने किया था क्लीन स्वीप

जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड आखिरी बार वनडे सीरीज खेलने भारत आया था, जहां टीम इंडिया ने क्लीन स्वीप कर दिया। दिलचस्प यह है कि कहानी की शुरुआत और अंत दोनों एक जैसे हैं। भारत ने 1988 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बाइलेटरल वनडे सीरीज खेली तो 4-0 से क्लीन स्वीप किया था, और 2023 में खेली गई आखिरी सीरीज में भी उसी अंदाज में क्लीन स्वीप 3-0, यानी शुरुआत भी सफाया और अंत भी सफाया। हालांकि इतिहास का यह पक्ष भी याद रखना जरूरी है कि 2024 में टेस्ट फॉर्मेट में समीकरण बिल्कुल उलट थे। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत को कीवी टीम के हाथों 0-3 से क्लीन स्वीप झेलना पड़ा था। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार था जब भारत को अपने घर में तीन या उससे अधिक मैचों की किसी टेस्ट सीरीज में सफाया झेलना पड़ा। ऐसे में भले ही मौजूदा मुकाबला वनडे फॉर्मेट का है, लेकिन उस टेस्ट सीरीज हार की चुभन टीम इंडिया को जरूर याद होगी। यानी वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का घरेलू रिकॉर्ड बेहद एकतरफा रहा है। अपनी सरजमीं पर टीम इंडिया ने कीवी टीम के खिलाफ अब तक 40 वनडे खेले हैं, जिनमें से 31 में जीत दर्ज की है, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा। न्यूजीलैंड सिर्फ 8 मैच जीत पाया है। यानी होम कंडीशंस में भी भारत का दबदबा लगभग चार दशकों से जस का तस बना हुआ है। ओवरऑल रिकॉर्ड में भी भारत आगे है। दोनों टीमों के बीच अब तक 120 वनडे खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 62 और न्यूजीलैंड ने 50 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला टाई रहा और 7 मैच बिना नतीजे के समाप्त हुए। यानी कुल तस्वीर यह बताती है कि खासकर भारतीय सरजमीं पर ज्यादातर वनडे मुकाबलों में भारत का दबदबा रहा है और न्यूजीलैंड को कई बार सीरीज हार का सामना करना पड़ा है।

भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के नतीजे जब बाइलेटरल वनडे सीरीज भारत में हुई

1988/89: भारत ने न्यूजीलैंड को 4-0 से हराया
1995/96: भारत ने सीरीज 3-2 से जीती
1999/00: भारत ने 3-2 से जीत दर्ज की
2010/11: भारत ने न्यूजीलैंड को 5-0 से क्लीन स्वीप किया
2016/17: भारत ने सीरीज 3-2 से जीती
2017/18: भारत ने 2-1 से जीत हासिल की
2023: भारत ने न्यूजीलैंड को 3-0 से हराया

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल कप्तान, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल विकेटकीपर, श्रेयस अय्यर उप-कप्तान, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत विकेटकीपर, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल.

भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का शेड्यूल

11 जनवरी- पहला वनडे, वडोदरा
14 जनवरी- दूसरा वनडे, राजकोट
18 जनवरी- तीसरा वनडे, इंदौर

भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20 सीरीज का शेड्यूल

21 जनवरी- पहला टी20, नागपुर
23 जनवरी- दूसरा टी20, रायपुर
25 जनवरी- तीसरा टी20, गुवाहाटी
28 जनवरी- चौथा टी20, विशाखापत्तनम
31 जनवरी- पांचवां टी20, तिरुवनंतपुरम

थम नहीं रही बांग्लादेश की ड्रामेबाजी, वर्ल्ड कप वेन्यू बदलने के लिए ICC को लिखा दूसरा लेटर

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड बीसीबी ने आईसीसी को औपचारिक रूप से दूसरी चिट्ठी भेजी, जिसमें टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की यात्रा को लेकर अपनी विशिष्ट सुरक्षा चिंताओं को स्पष्ट किया गया और साथ ही श्रीलंका में वेन्यू बदलने की अपनी मांग को दोहराया गया। वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होनी है और बांग्लादेश को भारत में चार मैच खेलने हैं (तीन कोलकाता में और एक मुंबई में)। बीसीबी ने भारत यात्रा से इनकार कर दिया है, यह तब हुआ जब तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर आईपीएल से रिलीज़ कर दिया गया।

बीसीबी से जुड़े एक सूत्र ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर पीटीआई से कहा, खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ़ नज़रुल के साथ चर्चा के बाद बीसीबी ने एक बार फिर आईसीसी को पत्र भेजा है। आईसीसी यह जानना चाहता था कि सुरक्षा को लेकर किन

क्षेत्रों में चिंता है और बीसीबी ने उन्हें स्पष्ट किया है। हालांकि, सूत्र ने पत्र के विवरण के बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। यह घटनाक्रम बीसीबी और आईसीसी के बीच बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर चल रही लगातार रस्साकशी के बीच सामने आया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अब तक इस मुद्दे पर संयमित चुप्पी बनाए रखी है और ढाका स्थित बोर्ड द्वारा जताई जा रही सुरक्षा आशंकाओं की सटीक प्रकृति पर स्पष्टता मांगी है।

दो धड़े में बंटा बीसीबी

यह भी समझा जाता है कि इस मुद्दे पर खुद बीसीबी के भीतर मतभेद हैं। बोर्ड का एक धड़ा इस मामले में आसिफ़ नज़रुल के सख्त रुख का समर्थन कर रहा है, जबकि दूसरा समूह आईसीसी और भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखने के पक्ष में है। दूसरा धड़ा भारत में बांग्लादेश टीम के पूरे प्रवास के दौरान कड़े और अभेद्य सुरक्षा इंतजामों की आवश्यकता पर जोर दे रहा है। नज़रुल, जो अतीत में भारत की आलोचना को लेकर मुखर रहे हैं, इस मुद्दे पर अधिक कठोर रुख अपनाने के पक्षधर बताए जा रहे हैं। यह बीसीबी और बीसीसीआई के बीच पारंपरिक रूप से सौहार्दपूर्ण कार्य संबंधों से एक स्पष्ट अलगाव माना जा रहा है। मुस्ताफिज़ुर को आईपीएल से रिलीज़ किया जाना बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की घटनाओं के बाद सामने आया था। फिलहाल आईसीसी की ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि वह बांग्लादेश के कोलकाता और मुंबई में होने वाले मैचों को कोलंबो शिफ्ट करेगा।

भारतीय टीम को लगा बड़ा झटका,

तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी-20 से बाहर

नई दिल्ली। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा खराब सेहत के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती तीन टी20 मैच से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने तिलक वर्मा के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी दी और बताया कि उनकी बुधवार को राजकोट में सर्जरी हुई है।

बीसीसीआई ने तिलक के बारे में अपडेट देते हुए कहा, तिलक की बुधवार राजकोट में सर्जरी हुई है। वह पेट से जुड़ी समस्या से जूझ रहे थे। उन्हें गुरुवार की सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वह शुक्रवार को हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। तिलक फिलहाल ठीक हैं और बीमारी से उबर रहे हैं। तिलक पूरी तरह ठीक होने और घाव के संतोषजनक रूप से भरने के बाद शारीरिक प्रशिक्षण फिर से शुरू करेंगे और धीरे-धीरे कौशल-आधारित गतिविधियों में लौटेंगे।

बीसीसीआई ने बताया, तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी20 मैच से बाहर हो गए हैं। शेष दो मैचों के लिए उनकी उपलब्धता पर फैसला उनकी प्रगति और ट्रेनिंग में लौटने के बाद लिया जाएगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

नागिन 7 का टीआरपी में धमाका,

आते ही सास बहू शोज को दी मात, अनुपमा की गिरी रेटिंग

एकता कपूर के सुपरनैचुरल शो नागिन 7 का दर्शकों को लंबे समय से इंतजार था। शो का प्रीमियर वीकेंड धमाकेदार रहा। सोशल मीडिया पर प्रियंका चाहर चौधरी के शो की कहानी, स्क्रीनप्ले, वीएफएक्स और कलाकारों की एक्टिंग को सराहा गया। जनता की तरफ से मिली इस तारीफ में नया एडिशन हुआ है। वो ये कि लोगों के प्यार ने शो को जबरदस्त टीआरपी दिलाई है। नागिन 7 ने पहले ही हफ्ते में बार्क रेटिंग में धमाकेदार एंट्री पाई है।

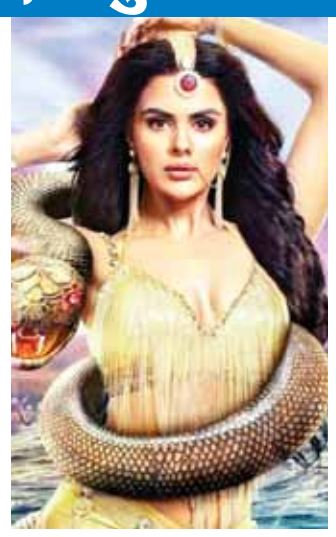

25वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट आ गई है। इसी के साथ टॉप 40 शोज में कौन किस नंबर पर है इसका खुलासा हो गया है। अनुपमा की बादशाहत को तोड़ते हुए क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 पहले नंबर पर है। वहीं सुपरनैचुरल ड्रामा नागिन 7 ने दूसरी पोजिशन पर कब्जा

किया है। प्रीमियर एपिसोड ने लॉन्च होते ही बाजी मार ली है। इससे साफ होता है कि शो को दर्शकों का कितना प्यार मिला है। शो का कॉन्सेप्ट आतंकवाद और महाकुंभ से जोड़ा गया है। नागिन 7 को मिली छप्परफाड़ टीआरपी ने इसे सुपरहिट शो बना दिया है। उम्मीद है आगे भी ये शो अपने चटपटे ट्विस्ट्स के साथ दर्शकों का दिल जीतेगा। तीसरे नंबर पर रुपाली गांगुली का शो अनुपमा है। चौथे पर 25वें द्धञ्च अवॉर्ड्स 2025 को जगह मिली है। 5वीं रैंक पर तुम से तुम तक है। छठे नंबर पर उड़ने की आशा- सपनों का सफर है। 7वें पर लाफ्टर शेफ 3 है। 9वें नंबर पर ये रिश्ता क्या कहलाता है को जगह मिली है। वहीं दसवीं रैंक पर टीवी शो गंगा माई की बिटियां है। लिस्ट में इंडियन आइडल 26वीं रैंक पर है। माही विज का कमबैक शो सहर होने को है खास लाइमलाइट नहीं लूट सका है। ये 28वें नंबर पर है। कौन बनेगा करोड़पति 36वें नंबर पर है।

एकता कपूर को कड़ी टक्कर देने वाला है शो

बार्क रेटिंग देखकर इतना तो साफ है कि डेली शोज को एकता कपूर का ये सुपरनैचुरल ड्रामा कड़ी टक्कर देने वाला है। शो आते ही जिस तरह दूसरे नंबर पर जगह बनाने में कामयाब हुआ है, इससे ये साबित भी हो गया है। नागिन 7 की बात करें तो इसमें प्रियंका चाहर चौधरी लीड रोल में हैं। उनके अपोजिट नमिक पॉल को कास्ट किया गया है। ईशा सिंह भी अहम रोल में हैं। नमिक और प्रियंका की केमिस्ट्री की तारीफ हो रही है। प्रियंका के रोल का नाम अनंता है। वो सीरियल में 25 साल बाद होने वाले महाकुंभ में आने वाले प्रलय से दुनिया को बचाने का काम करेगी। इसी मकसद से उसका जन्म हुआ है।

मातृत्व के साथ समुद्री डाकू, प्रियंका चोपड़ा ने द ब्लफ में अपने दमदार किरदार की दिखाई झलक

हॉलीवुड और ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। वह इस बार बिल्कुल नए और अनदेखे किरदार में नजर आने वाली हैं। वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म द ब्लफ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में ताकत, मातृत्व, अतीत की परछाइयों और आत्म संघर्ष का गहरा मेल देखने को

इस फिल्म के जरिए प्रियंका एक बार फिर साबित करती दिखेंगी कि वह नए रास्ते तलाशने से कभी पीछे नहीं हटतीं। प्रियंका चोपड़ा की यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें समुद्री लुटेरों की खतरनाक दुनिया दिखाई गई है। इस फिल्म में प्रियंका एर्सेल बॉडन नाम की एक निडर और ताकतवर महिला का किरदार निभा रही हैं, जो कभी ब्लडी मैरी के नाम से जानी जाने वाली एक खूंखार समुद्री डाकू

रह चुकी है। यह भूमिका प्रियंका के अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इसमें केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि भावनात्मक गहराई भी देखने को मिलेगी। फिल्म की रिलीज से पहले प्रियंका ने अपने फैंस के साथ द ब्लफ की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। यह फिल्म 25 फरवरी 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के कुछ सीन्स की तस्वीरों को साझा किया।

मेट्रो बाजार

तंबाकू उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ने से 80 लाख विक्रेता बेचैन

नई दिल्ली। कानूनी तंबाकू उत्पादों पर टैक्स में भारी बढ़ोतरी को लेकर फेडरेशन ऑफ रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने गहरी चिंता जताई है। संगठन ने सरकार से इस फैसले पर दोबारा विचार करने की अपील करते हुए कहा है कि इससे छोटे रिटेलरों को नुकसान होगा और अवैध कारोबारियों को बाजार में बढ़त मिल सकती है। यह प्रतिक्रिया वित्त मंत्रालय की ओर से जारी उस अधिसूचना के बाद आई है, जिसमें वित्त मंत्रालय ने च्यूइंग टोबैको, जर्दा, सेंटेड टोबैको और गुटखा पैकिंग मशीन नियम, 2026 के तहत सिगरेट की लंबाई के आधार पर प्रति 1,000 स्टिक पर 2,050 से 8,500 रुपये तक की एक्साइज ड्यूटी तय की है। यह नई दरें 1 फरवरी से लागू होंगी। एफआरएआई ने बयान में कहा कि इस फैसले से छोटे दुकानदारों, फुटपाथ विक्रेताओं और फेरीवालों में भारी बेचैनी है, जिनकी आजीविका काफी हद तक रोजमर्रा की खपत वाले उत्पादों, खासकर तंबाकू पर निर्भर करती है। संगठन का दावा है कि वह करीब 80 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम रिटेलरों का प्रतिनिधित्व करता है। संगठन ने चेतावनी दी कि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों की कीमतों में अचानक और तेज बढ़ोतरी का असर असंगठित रिटेल सेक्टर पर असमान रूप से पड़ता है, जहां मुनाफा कम और बिक्री वॉल्यूम ज्यादा होता है। कीमतों का झटका उपभोक्ताओं को वैध बाजार से दूर कर सकता है, मोहल्ले की दुकानों पर फुटफॉल घटा सकता है और अवैध व अनियंत्रित विकल्पों को बढ़ावा दे सकता है। एफआरएआई के संयुक्त सचिव गुलाब चंद खोड़ा ने कहा कि कानूनी उत्पादों की कीमतों में तेज उछाल से दुकान स्तर पर मांग तुरंत खत्म हो जाती है।

नौकरी बदलने की तैयारी में पेशेवर; पर 84% को सता रहा एआई और नई स्किल्स का डर

नई दिल्ली। भारत में रोजगार के मोर्चे पर नए साल में एक बड़ा विरोधाभाष दिख रहा है। लिंक्डइन की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय पेशेवरों का एक बड़ा हिस्सा इस साल अपनी नौकरी बदलने की सोच रहा है, लेकिन उनमें से ज्यादातर खुद को इसके लिए तैयार नहीं मानते हैं। रिपोर्ट बताती है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई की मदद से संचालित भर्ती प्रक्रियाओं और तेजी से बदलती स्किल की जरूरतों ने नौकरी चाहने वालों के बीच अनिश्चितता बढ़ा दी है। लिंक्डइन के शोध के अनुसार, 84 प्रतिशत भारतीय पेशेवर नई नौकरी खोजने के मामले में खुद को %अनप्रिपेयर्ड% बिना तैयारी के महसूस करते हैं। इसके पीछे मुख्य कारण एआई का बढ़ता दखल, आज की नौकरियों के लिए बदलती कौशल आवश्यकताएं और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा है। आंकड़े बताते हैं कि 2022 की शुरुआत के बाद से भारत में प्रति ओपन रोल आवेदकों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। इसने प्रतिस्पर्धा को तो बढ़ाया ही है, साथ ही उम्मीदवारों के आत्मविश्वास को भी प्रभावित किया है। दूसरी ओर, कंपनियों के लिए भी चुनौतियां कम नहीं हैं। लगभग 74 प्रतिशत भारतीय

रिक्रूटर्स एम्प्लायर्स का कहना है कि पिछले एक साल में योग्य प्रतिभाओं को ढूंढना काफी कठिन हो गया है। रिपोर्ट में साफ किया गया है कि एआई अब केवल एक तकनीकी शब्द नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत के जॉब मार्केट में करियर बनाने और टैलेंट के मूल्यांकन का आधार बन चुका है। लिंक्डइन इंडिया न्यूज की सीनियर मैनेजिंग एडिटर और करियर एक्सपर्ट, निराजिता बनर्जी ने कहा, पेशेवरों को आज जिस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है, वह यह साफ समझ है कि उनके कौशल अवसरों में कैसे तब्दील होते हैं और वास्तव में नियुक्ति के निर्णय कैसे लिए जाते हैं।

पहाड़ी राज्यों में बिछी बर्फ की चादर

कश्मीर के गुलमर्ग, मुगल रोड और गांदरबल के ऊपरी इलाकों में जमकर बर्फबारी जारी है। जिसका आनंद लेने देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

न्यूज विंडो

विश्नोई गैंग ने करवाई कनाडा में कबड्डी प्लेयर के ठिकाने पर फायरिंग

नई दिल्ली। साल 2026 में एक बार फिर कबड्डी प्लेयर्स गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई गैंग के निशाने पर हैं। कबड्डी प्रमोटर और खिलाड़ी देविंदर मान उर्फ देव मान के कनाडा स्थिति ठिकानों पर फायरिंग हुई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दावा किया है कि कनाडा के सरे (डेल्टा) में 8465 ब्रुक रोड पर, देविंदर मान उर्फ देव मान के घर पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी हम लेते हैं। गैंग ने कहा कि देविंदर मान, देव मान कंपनी का मालिक है और एक युवा कबड्डी प्रमोटर है। गोल्डी ढिल्लों (लॉरेंस बिश्नोई गैंग) ने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए फायरिंग की जिम्मेदारी लेते हुए कि देविंदर मान उर्फ देव मान के घर पर हुई फायरिंग में उसका हाथ है। गैंग ने कहा कि क्योंकि हमने उसे पहले समझाने की कोशिश की थी, लेकिन उसने बात नहीं मानी। उसने एक कबड्डी खिलाड़ी के साथ धक्का-मुक्की की और बदमाशों का नाम लेकर धमकियां देता रहा। ऐसे लोगों के साथ जो भी काम करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। बता दें कि कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती सेंट्रल जेल के हाई-सिक्योरिटी वार्ड में बंद है। वह सलाखों के पीछे से अपना क्राइम सिंडिकेट चलाता है और हत्याओं से कथित लिंक के लिए इंटरनेशनल जांच का सामना कर रहा है।

बिटकॉइन से जुड़ा मामला: राज कुंद्रा के खिलाफ चलेगा मुकदमा

मुंबई। बिजनेसमैन से प्रोड्यूसर और एक्टर बने राज कुंद्रा के खिलाफ मामला चलाया जाएगा। हाई प्रोफाइल बिटकॉइन मनी लॉन्ड्रिंग मामले उनके खिलाफ स्पेशल कोर्ट को प्रथम दृश्टया पर्याप्त सबूत मिले हैं। एक विशेष PMLA अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर पूरक अभियोजन शिकायत यानी एक ऐसी शिकायत जिसके सपोर्ट में कार्रवाई करने लायक पर्याप्त सबूत मिल जाएं। जिसके बाद संज्ञान लेते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। अदालत ने धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 3 के तहत अपराध को संज्ञान में लेते हुए राज कुंद्रा और साटिजा को 19 जनवरी 2026 को अदालत में पेश होने के लिए समन जारी किया है। विस्तृत आदेश में कहा गया है कि आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया चलाने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री मौजूद है।

घने कोहरे से एनएच-30 पर दो ट्रकों की भीषण भिड़ंत, लगा लंबा जाम

बालोद। नेशनल हाईवे-30 पर बालोदगहन के पास सुबह चार बजे आयरन और सीमेंट से लदे दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा हैं कि कोहरे और धुंध की वजह से हादसा हुआ। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और घंटों जाम की स्थिति बनी रही। राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हादसा बालोद जिले के पुरूर थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम बालोदगहन के पास हुआ।जानकारी के अनुसार, दोनों ट्रक विपरीत दिशा से आ रहे थे तभी तेज रफ्तार के कारण आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रक सड़क पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और हाईवे पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। हालांकि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई और कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना मिलते ही पुरूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कर्मियों को तैनात कर ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुट गई। जाम हटाने और यातायात सुचारू करने के प्रयास शुरू किए गए। क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाने के लिए क्रेन बुलाई गई है।

बिहार में सर्दी से 1हजार बच्चे बीमार, 3 की मौत, उत्तराखंड में ओस जमी

मप्र में कोहरे के चलते 12 ट्रेनें लेट मुरैना के स्कूलों में कल तक छुट्टी

भोपाल/लखनऊ/जयपुर

मध्य प्रदेश के 17 जिलों में आजकोहरा छाया रहा। इस वजह से दिल्ली से भोपाल, इंदौर-उज्जैन आने वाली एक दर्जन ट्रेनें लेट हैं। छतरपुर का खजुराहो सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 3.2 डिग्री दर्ज किया गया। रीवा में 4.1 डिग्री, दतिया में 4.2 डिग्री, नौगांव-शिवपुरी में 5 डिग्री, उमरिया में 5.4 डिग्री और पचमढ़ी में 5.8 डिग्री रहा। प्रदेश में सुबह ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा और शहडोल संभाग के 17 जिलों में घना कोहरा रहा। दिल्ली से भोपाल, इंदौर-उज्जैन आने वाली 10 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं। दतिया-रीवा समेत 7 जिलों में शीतलहर का अलर्ट है। इससे पहले गुरुवार को ग्वालियर-दतिया में दिन का तापमान 12 डिग्री से नीचे रहा।

वहीं मुरैना में रात का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरे जिले में घना कोहरा छाया हुआ है और कंपकंपाने वाली सर्दी लोगों को परेशान कर रही है। हालात को देखते हुए कलेक्टर ने 10 जनवरी तक कक्षा 1 से 8 तक के सभी

स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी हैं।

वहीं बिहार के पटना में सर्दी के कारण 7 दिनों में 1000 से ज्यादा बच्चे बीमार होकर अस्पताल पहुंचे, जिनमें से 3 की मौत हो गई। 15 जिलों का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया। गयाजी शहर सबसे ठंडा रहा, जहां टेंपरेचर 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पाला गिरने से ठंड बढ़ गई है, जिससे चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ में पानी की पाइपलाइन जम गई है। तो वहीं देहरादून के चकराता में तापमान -1एष्ट दर्ज किया गया है। यहां आज सुबह ओस जमी दिखी।

राजस्थान में कोहरा कम होने के बाद बर्फीली हवा का असर तेज हो गया है। सबसे ज्यादा ठंडा शहर सीकर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, रेगिस्तानी इलाकों में भी कड़ाके की सर्दी शुरू हो गई। सर्दी के चलते 25 जिलों में स्कूलों में छुट्टी रहेगी।

तीन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने ताजा पूर्वानुमान में यह बताया है कि कुछ राज्यों में भारी बारिश की संभावना है। दिल्ली और हृष्टक्रइलाके, जिसमें नोएडा और ग्रेटर नोएडा भी शामिल हैं, में कड़ाके की ठंड और ज़्यादा प्रदूषण का लेवल बना हुआ है। ९ से 11 जनवरी के दौरान तमिलनाडु में कुछ जगहों पर गरज के साथ भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना है, और 10 जनवरी को केरल और माहे में भी कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम एजेंसी ने कहा है कि 10 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ के कुछ/अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा और 11 से 14 जनवरी के दौरान कुछ जगहों पर घना कोहरा रहने की संभावना है।

दिल्ली विस में हंगामा

आप विधायक जरनैल और कुलदीप किए गए मार्शल आउट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में शीतकालीन सत्र के पांचवें दिन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा करने की कोशिश की। जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने चेतावनी के बाद आप विधायक जरनैल सिंह, कुलदीप कुमार को पूरे दिन के लिए मार्शल आउट कर दिया।

सदन में भाजपा के मालवीय नगर से विधायक सतीश उपाध्याय ने अपने इलाके में आ रहे गंदे पानी की समस्या को उठाया। उन्होंने कहा कि उनके इलाके में कुछ कॉलोनियों में तीन साल से कई कॉलोनी में गंदा पानी आ रहा है।उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में आप सरकार द्वारा काम नहीं करने के कारण अब जनता इसका खामियाजा भुगत रही है। उन्होंने इसका कारण पानी की पाइपलाइन का पुराना हो जाना बताया है और इसे बदले जाने की जरूरत बताई है। बताया है कि 30 से 40 साल और 50 साल पुरानी पाइपलाइन उनके इलाके में पड़ी हुई हैं। इसके साथ ही उन्होंने पानी के बंटवारे में असमानता होने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा किसी कॉलोनी में एक घंटे पानी आ रहा है तो किसी में वह भी नहीं आ रहा है। इस पर भी ध्यान दिया जाए।

स्कूल बंद फिर भी बंट गया खाना

राजस्थान में मिड डे मील में 2 हजार करोड़ का घोटाला

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के एंटी करप्शन ब्यूरो ने 2,000 करोड़ रुपये के घोटाले का पर्दाफाश किया है। मिड-डे मील योजना के तहत ये घोटाला हुआ, जिसमें कोरोना काल के दौरान, जब सभी स्कूल बंद थे, उस समय भी बच्चों को मिड-डे मील देने की बात सामने आई। इस मामले में एसीबी ने राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (कॉन्फेड), केंद्रीय भंडार और कई निजी फर्मों से जुड़े 21 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

सूत्रों के मुताबिक, अशोक गहलोत सरकार में पूर्व मंत्री रहे और इस समय भाजपा नेता राजेंद्र यादव के बेटे और उनके रिश्तेदारों का नाम इस मामले में जुड़ा है। राजेंद्र यादव के बेटे मधुर यादव और त्रिभुवन यादव पर आरोप लगे हैं। निजी फर्म के विभिन्न कार्यों को संभालने वाले कई अन्य रिश्तेदारों के नाम भी एफआईआर में शामिल हैं।

यह है पूरा मामला

अधिकारियों का कहना है कि महामारी के दौरान अशोक गहलोत की सरकार ने कॉन्फेड के माध्यम से स्कूली छात्रों को दालें, तेल, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थों वाले कॉम्बो पैक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की थी। इसमें यह भी दावा किया गया कि घर-घर जाकर स्कूली बच्चों को खाना दिया गया। लेकिन इस मामले में भ्रष्टाचार की कई शिकायतें आईं। एसीबी ने जब जांच शुरू की तो मामला बढ़ता चला गया। अधिकारियों का कहना है कि महामारी के दौरान अशोक गहलोत की सरकार ने कॉन्फेड के माध्यम से स्कूली छात्रों को दालें, तेल, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थों वाले कॉम्बो पैक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की थी।

राहुल गांधी का भाजपा पर तीखा हमला कहा-लोगों की जिंदगी हो रही तबाह

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमलावर हैं। एक दिन पहले जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ट्रंप के टैरिफ को लेकर कड़ा निशाना साधा था। वहीं अब उन्होंने एक लंबे-चौड़े एक्स पोस्ट के जरिए भाजपा शासित राज्यों पर सिलसिलेवार हमला किया है।

कांग्रेस सांसद ने आज अपने बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में 'भ्रष्ट' जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। राहुल गांधी ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के साथ सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार का जहर भाजपा की राजनीति में ऊपर से नीचे तक फैल चुका है।राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, 'इनके सिस्टम में गरीब, असहाय, मजदूर और मध्यमवर्ग की जिंदगी सिर्फ आंकड़ा है और 'विकास' के नाम पर वसूली-तंत्र चल रहा है। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया - लेकिन सवाल आज भी वही है: सत्ता का संरक्षण भाजपा के किस वीआईपी को बचा रहा है? कानून सबके लिए बराबर कब होगा?'

नेहरू की गलतियां स्वीकारना जरूरी लेकिन अकेले दोषी ठहराना गलत: थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि नेहरू की गलतियों को स्वीकार करना जरूरी है, लेकिन देश की हर समस्या के लिए उन्हें अकेले दोषी ठहराना पूरी तरह गलत और अनुचित है। थरूर ने कहा- मैं यह नहीं कहूंगा कि मोदी सरकार लोकतंत्र-विरोधी है, लेकिन वे निश्चित रूप से नेहरू-विरोधी हैं। नेहरू को एक सुविधाजनक बलि का बकरा बना दिया गया है।उन्होंने कहा कि मैं भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विचारों और दृष्टिकोण की गहरी प्रशंसा करता हूं, लेकिन नेहरू की हर मान्यता और नीति का बिना आलोचना समर्थन नहीं कर सकता। थरूर केरल विधानसभा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव के चौथे संस्करण में पहुंचे थे।

मेट्रो एंकर

ग्रीनलैंडवासियों को डेनमार्क से अलग कर अमेरिका में मिलाने का षड़यंत्र कर रहे ट्रंप

कब्जा नहीं अब ग्रीनलैंड को खरीदने की चाल, हर नागरिक को 90 लाख का ऑफर

वाशिंगटन, एजेंसी

वेनेजुएला के बाद अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की नजर ग्रीनलैंड पर है। ट्रंप प्रशासन ग्रीनलैंडवासियों को डेनमार्क से अलग कर संयुक्त राज्य अमेरिका के करीब आने के लिए राजी करने के प्रयास को लेकर विचार कर रहे हैं। इसके लिए ग्रीनलैंड के निवासियों को प्रति व्यक्ति मोटी रकम देने के बारे में आंतरिक रूप से चर्चा चल रही है।

दरअसल, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि व्हाइट हाउस के अधिकारी ग्रीनलैंड के हर व्यक्ति को 10,000 से 1,00,000 डॉलर (90 लाख भारतयी रुपये) तक का एकमुश्त भुगतान देने पर बात कर रहे हैं। हालांकि, यह पैसे कब और कैसे दिए जाएंगे, यह विचार अभी प्रारंभिक चरण में है और इसके विवरण अभी स्पष्ट नहीं हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति का ग्रीनलेंड को खरीदने का ये आइडिया नया नहीं है, लेकिन हाल में इस पर ज्यादा गंभीरता से बात हो रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने देश के सांसदों से कहा है कि प्रेसिडेंट ट्रंप

ग्रीनलैंड पर कब्जा नहीं करना चाहते बल्कि उसे खरीदना चाहते हैं। हालांकि, ट्रंप के इस कदम का यूरोपीय देश विरोध कर रहे हैं।

यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बीच स्थित ग्रीनलैंड द्वीप विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है। जो लगभग 2,166,086 वर्ग किलोमीटर (836,330 वर्ग मील) के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह द्वीप राष्ट्र वर्तमान में डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है, जिसकी आबादी लगभग 57,000 है और यहाँ प्रचुर मात्रा में उपयोगी प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं।

अब मैक्सिको पर हमला करेंगे डोनाल्ड ट्रंप!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ अपनी रणनीति को और बढ़ाने का संकेत दिया है। समुद्र में ड्रग तस्करी से जुड़े जहाजों पर हमलों के बाद अब ट्रंप प्रशासन कार्टेल्स के जमीनी ठिकानों पर सीधे सैन्य कार्रवाई की तैयारी में है। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में साफ कहा कि 'अब हम जमीन पर वार शुरू करने जा रहे हैं। कार्टेल्स आज मेक्सिको चला रहे हैं।' यानी वह अब ड्रग्स के नाम पर सीधे मैक्सिको में हमले की बात कह रहे है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब अमेरिका ने हाल ही में वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को एक सैन्य ऑपरेशन में गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया।
उस कार्रवाई के बाद ट्रंप पहले ही पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व की बात कर चुके हैं। अब ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ जमीनी हमलों की धमकी को अमेरिका की नई 'मिलिट्री डॉक्ट्रिन' के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका ने पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरेबियन सागर में कथित ड्रग बोट्स पर हमले किए हैं। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि सितंबर से अब तक इन हमलों में 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अमेरिका का कहना है कि इन समुद्री अभियानों के जरिए ड्रग नेटवर्क को तोड़ा गया है, लेकिन अब असली लड़ाई जमीन पर लड़ी जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564